कोटद्वार, शुक्रवार
17 अप्रैल 2026
वर्ष: 48
अंक: 315 पृष्ठ: 6
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक: स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

दिल्ली एयरपोर्ट पर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान टकराए

▶ दोनों प्लेन को नुकसान लेकिन यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली एयरपोर्ट पर गुरुवार को दोपहर 2 बजे स्पाइसजेट की फ्लाइट पार्किंग एरिया में खड़े अकासा एयरलाइन के विमान से टकरा गई। दोनों विमानों को नुकसान पहुंचा है। हादसे में पैसेंजर और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के मुताबिक, इस घटना में स्पाइसजेट विमान के राइट विंग्स को नुकसान पहुंचा है। वहीं, दूसरे आकासा विमान का लेफ्ट विंग टूट गया है। घटना के बाद स्पाइसजेट का यह विमान दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिया गया है। इसे उड़ान के लिए उपयोग में नहीं लिया जाएगा। FlightRadar24 के अनुसार, यह घटना तब हुई जब लेह से आया स्पाइसजेट विमान गेट की ओर बढ़ रहा था। अकासा एयर का विमान हैदराबाद के लिए पुशबैक कर रहा था। अकासा एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि अकासा एयर की दिल्ली से हैदराबाद जा रही फ्लाइट QP 1406 को 16 अप्रैल 2026 को वापस बे (पार्किंग एरिया) में लौटना पड़ा। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, अकासा का विमान खड़ा हुआ था तभी दूसरी एयरलाइन का विमान उससे टकरा गया। सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित उतार लिया गया है। ग्राउंड टीम यात्रियों को जल्द से जल्द हैदराबाद भेजने के लिए ऑप्शनल इंतजाम कर रही है।

कोटा में बस पलटी, बाहर गिरे पैसेंजर्स को ट्रॉले ने कुचला: 3 मौत

● 20 घायल, दावा: सामने वाले कांच पर पत्थर मारा

कोटा (एजेंसी)। स्लीपर बस के एक्सीडेंट में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसे में 20 से ज्यादा पैसेंजर्स घायल हैं। यात्रियों का दावा कि बस के फ्रंट मिरर पर किसी ने पत्थर मारा था, इसलिए ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। अनियंत्रित होने के कारण बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में घुसकर पलट गई। पलटने के कारण टूटे कांच वाले हिस्से से पैसेंजर्स बाहर सड़क पर गिर गए। तीन पैसेंजर्स को सामने से आ रहे ट्रॉले ने कुचल दिया। इनमें से दो मृतक मध्य प्रदेश के थे। हादसा आरकेपुरम थाना इलाके में नयागांव पुलिया के पास बुधवार रात करीब 12 बजे हुआ। पुलिस के अनुसार प्राइवेट कंपनी की बस अहमदाबाद से ग्वालियर-भिंड की तरफ जा रही थी। बस में ज्यादातर सवारियां मध्यप्रदेश की ही थी। बस पलटने के कारण पैसेंजर्स अंदर बुरी तरह फंस गए। यात्रियों को बाहर निकालने के लिए रात करीब 2.30 बजे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। एक्सीडेंट में 20 से ज्यादा पैसेंजर्स घायल हुए हैं। जिन्हें कोटा के मेडिकल कॉलेज के हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया है।

कांग्रेस बोली: लोकसभा में 850 सीटें हों ये कैसे तय किया

अखिलेश बोले: मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण मिले, 3 बिलों पर आज वोटिंग

नई दिल्ली (एजेंस)। महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिलों पर लोकसभा में चर्चा जारी है। विपक्ष ने इन बिलों का विरोध किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार 90% बातें दोहरा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकसभा में 850 सीटें हों सरकार ने ये कैसे तय किया। सपा सांसद अखिलेश यादव ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही। इस पर अमित शाह ने जवाब दिया कि यह असंवैधानिक है। समाजवादी पार्टी पूरी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें कहां आपत्ति है। बिलों पर चर्चा के लिए 16 और 17 अप्रैल को 15 घंटे का समय तय किया गया है। कल शाम 4 बजे वोटिंग की जाएगी। संशोधन बिल में लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है। मौजूदा संख्या 543 है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन भी किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। तमिलनाडु में BJP नेता के अन्नामलाई ने कहा- जब मैं आज सुबह तिरुचेंदुर, मुदुकुलथुर और रामनाथपुरम से गुजरा तो मुझे कहीं भी एक भी काला झंडा दिखाई नहीं दिया। बस स्टालिन ही काला झंडा फहरा रहे

हैं। परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर लागू नहीं किया जाएगा। स्टालिन घूम-घूमकर गलत जानकारी फैला रहे हैं। परिसीमन के जरिए तमिलनाडु से सांसदों की संख्या 39 से बढ़कर 59 हो सकती है। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने परिसीमन को लेकर दक्षिण भारत में लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मैं दक्षिण से, कर्नाटक से आता हूं। पिछले तीन दिनों में हमने दक्षिण भारत में विपक्ष का अत्यंत अराजक तरीके से व्यवस्थित रूप से भ्रामक प्रचार देखा है। परिसीमन कोई बैकडोर प्रक्रिया नहीं है, हम केवल वही कर रहे हैं जो संविधान में निर्धारित है। सूर्या ने कहा कि यदि लोकसभा सीटों को स्थिर (फ्रीज) रखा जाता है और महिला आरक्षण को उसी रूप में लागू किया जाता है, तो अनुच्छेद 81 के एक व्यक्ति, एक वोट, एक मूल्य के सिद्धांत को नुकसान होगा। महिला आरक्षण बिल पर उद्दड़ सांसद टी. शिवा ने कहा- हम परिसीमन बिल का विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा, वे महिला आरक्षण को भी इसके साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। हम हमेशा महिलाओं के अधिकारों के पक्ष में रहे हैं। हम मौजूदा 543 सीटों के अंदर ही आरक्षण देने को तैयार हैं, जिसका हमने पहले सर्वसम्मति से समर्थन किया था। उन्होंने तीनों बिलों को एक साथ जोड़ दिया है। भविष्य में दक्षिणी राज्यों का कोई प्रतिनिधित्व नहीं होगा। महिला आरक्षण विधेयक पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा, यह महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक विधेयक है। मेरा मानना है कि देश के इतिहास में यह एक क्रांतिकारी विधेयक है। लोकतंत्र में महिलाओं को समान अवसर मिलेंगे। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा- हमने कानून मंत्री की बात सुनी, उनकी बातों से लग रहा था कि पहली बार सदन के अंदर महिला आरक्षण पर चर्चा हो रही है। ऐसा उन्होंने ढांचा बनाने की कोशिश की। आज से ही 3 साल पहले गृह मंत्री ने ऐसी ही बातें की थीं।अगर दोनों की बातें सुनेंगे तो 90 प्रतिशत वही बातें हैं, जो आज कानून मंत्री ने कहीं। उस समय भी ऐसी ही बातें थीं। तब भी हमने यही कहा था कि हमारी पार्टी महिला आरक्षण के पक्ष में हैं, लेकिन इसे सरल कीजिए, ताकि जब पारित हो तभी लागू हो जाए। इसे परिसीमन के साथ न जोड़ें। महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, सभी विपक्षी दलों ने मिलकर यह फैसला किया है कि हम महिला आरक्षण के समर्थन में हैं, हम महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते हैं। हम 2023 में पारित प्रस्ताव के साथ खड़े हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए वे सभी वर्गों को बांटने और संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं, और हम इसका विरोध करते हैं। तीनों बिलों पर लोकसभा में चर्चा शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी की याचिका खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट से व्यवसायी अनिल अंबानी को बड़ा झटका लगा है। एक मामले में कोर्ट ने उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें बैंकों को उनके लोन अकाउंट को फ्रॉड (धोखाधड़ी) की श्रेणी में डालने की अनुमति मिली थी। इंडियन ओवरसीज बैंक सहित दो बैंक अब इस कार्रवाई को आगे बढ़ा सकते हैं। इससे पहले हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने दिसंबर 2025 के अपने आदेश में अनिल अंबानी को अंतरिम राहत दी थी। लेकिन डिवीजन बेंच ने उस पुराने आदेश को रद्द कर दिया था। अब सुप्रीम कोर्ट ने भी डिवीजन बेंच के फैसले में दखल देने से मना कर दिया है।चीफ जस्टिस सूयाकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनवाई के दौरान कुछ जरूरी निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच का यह आदेश उस मुख्य मुकदमे को प्रभावित नहीं करेगा जो अभी लंबित है। कोर्ट ने हाई कोर्ट से अनुरोध किया कि इस मामले का निपटारा जल्द से जल्द किया जाए।अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर याचिकाकर्ता के पास कानून में कोई और रास्ता मौजूद है, तो वह उसका लाभ उठाने के लिए स्वतंत्र हैं। सुनवाई के दौरान अंबानी ने बैंकों के साथ समझौता करने की इच्छा भी जताई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी कोई राय नहीं दी और इसे उन पर ही छोड़ दिया।

पीएम ने ऑस्ट्रियाई चांसलर स्टॉकर से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में ऑस्ट्रिया के चांसलर डॉ क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य भारत और ऑस्ट्रिया के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करना है। बैठक के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल भी मौजूद थे। इस बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों (टङ्कव२) पर हस्ताक्षर हुए। इसके बाद दोनों देश ने संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर की। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया के चांसलर क्रिश्चियन स्टॉकर के साथ संयुक्त प्रेस बयान में दोनों देशों के रिश्तों को मजबूत करने की बात कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि चांसलर का यह दौरा व्यापार और निवेश में नई ऊर्जा लाएगा। उन्होंने बताया कि भारत और ऑस्ट्रिया मिलकर टेक्नोलॉजी और सप्लाई चेन को मजबूत करेंगे, ताकि दुनिया को भरोसेमंद समाधान मिल सके। उन्होंने कहा कि दोनों देश रक्षा, सेमीकंडक्टर, क्वांटम और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाएंगे। साथ ही IIT दिल्ली और ऑस्ट्रिया की मॉन्टेना यूनिवर्सिटी के बीच हुआ समझौता इस सहयोग का अच्छा उदाहरण है।

गाजियाबाद में 200 झुग्गियों में भीषण आग

धमाकों से दहल उठे लोग, 10 किमी दूर से दिख रहा धुआं

गाजियाबाद (सं.)। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 200 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जलकर राख हो गईं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियां लगाई गई हैं। अग्निशमन अभियान में कई घंटे लगने की संभावना है क्योंकि आग बड़े क्षेत्र में फैली है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल की टीमों ने युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। आग बुझाने के लिए

लगातार पानी की बौछारें की जा रही हैं। स्थानीय निवासियों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर आग बुझाने में मदद की कोशिश की। इस भीषण अग्निकांड से सैकड़ों परिवारों का आशियाना उजड़ गया है। उनके पास खाने-पीने और रहने का कोई साधन नहीं बचा है। आग से हुए भारी नुकसान का आकलन किया जाएगा। पुलिस ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया

3 दिन में एक ने भी होर्मुज क्रॉस नहीं किया

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (CENTCOM) के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी (Gulf) इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान

पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्त्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डील के लिए सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है, हालांकि अमेरिका ने अभी औपचारिक सहमति नहीं दी है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के वैश्विक असर को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने अपने रक्षा बजट में अब तक की सबसे बड़ी शांतिकालीन बढ़ोतरी का ऐलान किया है। ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस ने नई रक्षा रणनीति जारी करते हुए कहा कि अगले 10 वर्षों में 53 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (करीब 38 अरब अमेरिकी डॉलर) अतिरिक्त रक्षा खर्च किया जाएगा। इस योजना के तहत देश का रक्षा बजट मौजूदा 2.8% GDP से बढ़कर 2033 तक 3% तक पहुंच जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा रक्षा निवेश अवङवर साझेदारी के तहत होगा, जिसमें अमेरिका और ब्रिटेन के सहयोग से कम से कम 8 परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बियां तैयार की जाएंगी। इजराइल और लेबनान के बीच संभावित बातचीत को लेकर विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। इजराइल की ओर से दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू जल्द ही लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन से बात करेंगे। इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट की सदस्य गालिया गमलियल ने यह जानकारी दी, जिसे इजराइली आर्मी रेडियो ने प्रसारित किया। दूसरी ओर, रॉयटर्स के अनुसार लेबनान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने ऐसे किसी फोन कॉल की जानकारी से इनकार किया है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था ने फरवरी में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। ऑफिस फॉर नेशनल स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक, फरवरी में GDP ग्रोथ 0.5% रही, जो जनवरी के 0.1% के मुकाबले काफी अधिक है।

सबरीमाला मंदिर बोला: कोर्ट धार्मिक मान्यताओं पर फैसला नहीं दे सकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं की एंट्री के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। मंदिर का मैनेजमेंट देखने वाले त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड के वकील एडवोकेट अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा, किसी धर्म की प्रथा सही है या नहीं, यह तय होगा उसी समुदाय की आस्था के आधार पर। जज खुद यह तय नहीं करेंगे कि धर्म के लिए क्या सही है, क्या गलत।' उन्होंने कहा कि धर्म एक समूह या समुदाय की आस्था से जुड़ा है। इसलिए कुछ लोगों (महिलाओं की एंट्री) के अधिकार को पूरे समुदाय के अधिकारों पर हावी नहीं होने दिया जा सकता। इससे पहले 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिन सुनवाई के दौरान भी महिलाओं की एंट्री के विरोध में दलीलें रखी गईं। केंद्र सरकार ने कहा था कि देश के कई देवी मंदिरों में पुरुषों की एंट्री भी बैन है, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान किया जाना चाहिए। केरल हाईकोर्ट ने 1991 में सबरीमाला में 10 से 50 साल की महिलाओं की एंट्री पर बैन लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इसे भेदभावपूर्ण बताते हुए बैन हटा दिया। इसके बाद दायर पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर 7 महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न तय किए गए हैं, जिन पर अब बहस हो रही है।

प्रधानमंत्री बोले: तमिलनाडु चुनाव में डीएमके की हार पक्की

तमिलनाडु के नागरकोइल में किया रोड शो

चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को तमिलनाडु के नागरकोइल में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि डीएमके की हार निश्चित है और एनडीए को जनता का आशीर्वाद मिलेगा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'कल नागरकोइल में हुए असाधारण रोड शो की कुछ झलकियां साझा कर रहा हूं, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि डीएमके की हार निश्चित है और एनडीए को जनता का आशीर्वाद मिलेगा।' उन्होंने एक मिनट 53 सेकंड का एक वीडियो भी साझा किया जिसमें उत्साहित भीड़ 'नरेंद्र मोदी' के नारे लगाती और हाथ लहराती हुई दिखाई दे रही है, जो इस कार्यक्रम के दौरान जनता के मजबूत समर्थन को दर्शाता है। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, 'कल नागरकोइल में रोड शो के दौरान थिरु के. कामराज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, थिरु सीएन अन्नादुरई और थिरु एमजीआर को श्रद्धांजलि अर्पित की।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कन्याकुमारी जिले के नागरकोइल कस्बे में एक ऊर्जावान रोड शो किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए क्योंकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। प्रधानमंत्री, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए एक गहन अभियान के हिस्से के रूप में इस क्षेत्र में थे। उनके साथ अन्नाद्रमुक प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी, राज्य भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंथ्रान और पूर्व राज्य भाजपा प्रमुख के. अन्नामलाई भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता पोन राधाकृष्णन भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली से तिरुवनंतपुरम पहुंचे और बाद में हेलीकॉप्टर से नागरकोइल गए। वहां पहुंचते ही उन्होंने लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी खुली छत वाली गाड़ी में रोड शो शुरू किया, जो वेप्पामूडु जंक्शन से वडासेरी तक फैला हुआ था। विशेष रूप से सजाई गई गाड़ी पर खड़े होकर प्रधानमंत्री ने रास्ते के दोनों ओर बड़ी संख्या में जमा हुए उत्साही समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। भीड़ ने नारे लगाकर और जयकारे लगाकर जवाब दिया। कई लोगों ने स्वागत के प्रतीक के रूप में फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। पार्टी कार्यकर्ता और आम जनता बड़ी संख्या में उपस्थित हुए, जो क्षेत्र में व्याप्त तीव्र राजनीतिक माहौल को दर्शाता है। यह रोड शो तमिलनाडु में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की आक्रामक चुनाव प्रचार रणनीति का हिस्सा है, जहां मतदान से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

चारधाम यात्रा के मद्देनजर ग्राउंड जीरो पर उतरे मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। आस्था और श्रद्धा के महान पर्व के रूप में प्रतिष्ठित श्री केदारनाथ धाम के कपाट वर्ष 2026 की यात्रा हेतु आगामी 22 अप्रैल 2026 को विधि–विधान एवं सनातन परंपराओं के अनुरूप श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में आज मुख्यमंत्रीपुष्कर सिंह धामी जनपद रुद्रप्रयाग पहुंचे और ग्राउंड जीरो पर यात्रा व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के मद्देनजर राष्ट्रीय राजमार्ग–107 पर रुद्रप्रयाग से

रुद्रप्रयाग से गुप्तकाशी तक सड़क मार्ग से किया यात्रा मार्ग का निरीक्षण

गुप्तकाशी तक कार द्वारा निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने जवाड़ी बाईपास, निर्माणाधीन सुरंग, तिलवाड़ा में हटाए गए अतिक्रमण, बांसवाड़ा, कुंड–काकड़ागाड़ जैसे भूस्खलन संभावित संवेदनशील क्षेत्रों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने सड़क के पेचवर्क, झाड़ी कटान, साइनेज, क्रैश बैरियर, सुरक्षा उपायों एवं सौंदर्यीकरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी लंबित कार्यों को यात्रा शुरू होने से पूर्व हर हाल में पूर्ण किया जाए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री द्वारा गुप्तकाशी में चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं को लेकर जनपदीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के साथ सौम्य व्यवहार रखने के निर्देश दिए। साथ ही हेलीपैड पर यात्री शेड, लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्रों के समीप पुलिस चौकियों में आवश्यक सुविधाएं जैसे दवाइयां, पेयजल एवं फूड पैकेट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए, ताकि आपात स्थिति में त्वरित सहायता प्रदान की जा सके।

मुख्यमंत्री ने यात्रा को प्लास्टिक मुक्त बनाने पर विशेष जोर देते हुए ह्लग्रीन यात्राह्व के उद्देश्य को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि भ्रामक खबरें फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही यात्रा से जुड़े सभी हितधारकों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

गैस आपूर्ति के विषय में मुख्यमंत्री ने बताया कि वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद केंद्र सरकार से अतिरिक्त गैस आपूर्ति की मांग की गई है, जिससे यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को यात्रा से जोड़ते हुए ह्लवोकल फॉर लोकलह्व के तहत स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए।

अगले एक साल में पूरे होंगे राज्य के कई महत्वपूर्ण इंफ्रा प्रोजेक्ट : मुख्यमंत्री

– राज्य में सुधरेगी कनेक्टिविटी, पयर्टन, तीर्थाटन को मिलेगी अभूतपूर्व गति

देहरादून। दिल्ली – देहरादून इकोनॉमिक कॉरिडोर के लोकार्पण के बाद, ढाई घंटे में दिल्ली का सफर ख्वाब से हकीकत बन चुका है। शुरुआती तीन दिनों में इस आधुनिक एक्सप्रेस वे से गुजरने वाले यात्रियों के अनुभव शानदार रहे हैं। अच्छी बात यह है कि सड़क, रेल परियोजनाओं की यही रफ्तार अगले एक साल बनी रहेगी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण इंफ्रा प्रोजेक्ट पूरे होने की उम्मीद है। केंद्र सरकार के सहयोग से वर्तमान में राज्य के भीतर करीब एक लाख 30 हजार करोड़ के कई इंफ्रा प्रोजेक्ट पर कार्य गतिमान है। इसी क्रम में देहरादून को अगले महीने तक, 1650 करोड़ के लागत से तैयार पौंटा साहिब – देहरादून फोर लेन मार्ग की सुविधा भी मिलने वाली है, यह मार्ग लगभग बनकर तैयार हो चुका है। इसके बाद जून में सहारनपुर बाईपास से हरिद्वार तक छह लेन वाला 51 किमी हाईवे भी यातायात के लिए उपलब्ध हो जाएगा। जबकि इसी साल अक्तूबर तक, हरिद्वार बाईपास के प्रथम चरण का भी कार्य पूरा किए जाने की तैयारी है, कुल 1600 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है, जो आगामी कुंभ मेला के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इधर, कुंभ क्षेत्र की एक और प्रमुख सड़क परियोजना, ऋषिकेश बाईपास पर भी अगस्त तक काम शुरु होने की उम्मीद है, इस परियोजना पर 1100 करोड़ की लागत आएगी। केंद्र सरकार ने 716 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 12 किमी लंबा झाझरा–आशारोड एलिवेटेड रोड को भी अगले साल अप्रैल तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित कया है। कुमाँऊक्षेत्र की महत्वपूर्ण परियोजना : कुमांऊ क्षेत्र की बात करें तो 1050 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 21 किमी लम्बा रूद्रपुर फोरलेन बाईपास इसी साल अक्टूबर तक पूरा किए जाने की तैयारी है, इससे रुद्रपुर शहर का जाम खत्म हो सकेगा। वहीं 936 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन 15 किमी लंबा काशीपुर बाईपास भी इसी साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

बहादराबाद हाईवे पर सड़क हादसे में इंटर्न डॉक्टर की मौत

हरिद्वार। बहादराबाद थाना क्षेत्र में बुधवार रात को हुए एक सड़क हादसे में इंटर्न डॉक्टर की मौत हो गई है। मृतक की पहचान 25 वर्षीय ऋतुराज के रूप में हुई है, जो मूलरूप से बिहार का रहने वाला था। स्कूटी से सीएचसी जाते समय एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में ऋतुराज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा है। डॉ. ऋतुराज निवासी सुभाषनगर, बेलगांव, जिला बेतिया, बिहार बहादराबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इंटर्नशिप कर रहे थे। ऋतुराज मदर हुड कालेज से बीएमएस कर रहा था। छह माह के लिए इंटर्नशिप के लिए बहादराबाद सीएचसी में तैनात था। पुलिस के अनुसार बीते बुधवार रात को वह स्कूटी से बहादराबाद सीएचसी जा रहा था। उसके साथ इंटर्न महिला डॉक्टर भी थी। दोनों बहादराबाद–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर पहुंचे, तभी एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में डॉ. ऋतुराज गंभीर की मौके पर ही मौत हो गई। स्कूटी पर बैठी महिला भी को चोटें नहीं आई है। हादसे के वक्त वाहन तेज स्पीड में था और उसने स्कूटी में टक्कर मार दी। पुलिस द्वारा फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है। थाना बहादराबाद प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। गहनता से मामले की जांच की जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी और युवती लापता

रुड़की। दो अलग–अलग गांवों से एक किशोरी और एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी है। मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री 14 अप्रैल को घर से किसी को बिना बताए कहीं चली गई। वहीं, एक ग्रामीण ने बताया कि उसकी 18 वर्षीय बेटी संदिग्ध परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। उसकी आसपास रिश्तेदारी में तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। कोतवाली प्रभारी भगवान सिंह मेहर ने बताया कि दोनों मामलों में केस दर्ज कर लिया है। साथ ही दोनों की तलाश को दो पुलिस टीमों को भी लगाया गया है।

घर का ताला तोड़कर नगदी और कीमती जेवर चोरी

रुड़की। कुआंखेड़ा गांव में चोरों ने घर में घुसकर ग्रामीण के घर से सोने के जेवर व तीस हजार की नगदी चोरी कर ली। पीड़ति की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साथ ही कुछ संदिग्धों से भी गहनता से पूछताछ कर रही है। लक्सर कोतवाली क्षेत्र के कुआंखेड़ा गांव निवासी महावीर ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि चोरों ने 13 अप्रैल की रात में लगभग एक बजे उनके घर की जाली उखाड़कर ताला तोड़कर सामान चोरी कर लिया। 14 अप्रैल की सुबह वह उठे तो घर से दो सोने की अंगूठी, एक जोड़ी सोने की झुमकी, सात जोड़ी चांदी की पाजेब व तीस हजार की नगदी गायब थी। उन्होंने सामान की आसपास तलाश की लेकिन कुछ पता नहीं चल पाया। लक्सर कोतवाली प्रभारी प्रवीण सिंह कोश्यारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जल्द ही चोरी की घटना का खुलासा किया जाएगा।

छोटे कदम, बड़ी उड़ानः प्रकाम्या बने प्रेरणा की मिसाल

देहरादून। सफलता केवल अंकों की कहानी नहीं होती, बल्कि यह हिम्मत, धैर्य और निरंतर प्रयासों की यात्रा भी होती है। इस बात को सच कर दिखाया है सोशल बलूनी पब्लिक स्कूल के छात्र प्रकाम्या शुक्ला ने। जिन्होंने कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा में 83.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत और लगन का परिचय दिया है। सोशल बलूनी स्कूल के एमडी विपिन बलूनी ने उन्हें गुरुवार को सम्मानित किया। 25 जनवरी 2009 को जन्मे प्रकाम्या विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की श्रेणी से आते हैं। उन्होंने अपनी चुनौतियों को कभी कमजोरी नहीं बनने दिया, बल्कि उन्हें ही अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़ने का संकल्प लिया। प्रकाम्या ने प्रारंभिक शिक्षा बचपन प्ले स्कूल से शुरू की। इसके बाद कक्षा 1 से 7 तक ड्रोनाह्ल स्कूल में अध्ययन किया और वर्तमान में एसबीपीएस के छात्र हैं।पढ़ाई के साथ–साथ उनकी रुचियाँ भी उन्हें अलग पहचान देती हैं। ड्राइंग में वे अपनी कल्पनाओं को रंगों के जरिए अभिव्यक्त करते हैं, कंप्यूटर के प्रति जिज्ञासा उन्हें तकनीकी दुनिया से जोड़ती है, जबकि बैडमिंटन में रुचि उनकी ऊर्जा और आत्मविश्वास को दर्शाती है।

ओलंपस हाई स्कूल का सीबीएसई कक्षा 10 में शानदार प्रदर्शन

देहरादून। सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में ओलंपस हाई स्कूल के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। ईशान लखेड़ा ने 98.4 प्रतिशत अंकों के साथ स्कूल टॉप किया। इनके अलावा कंचन रावत 95.8, मनसवी पंवार व ऋषित सेठी 94.6, स्वास्तिक रोहिल्ला 93.8, हर्षित वर्मा 92.6, इशिका सैनी 92, अंश एरॉन 91.2, इंशा इम्तियाज 91 और आकृति सिंह 90.4 प्रतिशत हासिल किए हैं।

नर्सिंग भर्ती: 133 दिन से आंदोलनरत बेरोजगारों का फूटा गुस्सा, 19 अप्रैल से करेंगे भूख हड़ताल

देहरादून। नर्सिंग भर्ती प्रक्रिया में विसंगतियों और अपनी लंबित मांगों को लेकर पिछले 133 दिनों से एकता विहार में आंदोलनरत नर्सिंग एकता मंच का धैर्य अब जवाब दे गया है। गुरुवार को दून प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंच के प्रदेश अध्यक्ष नवल पुंडीर ने सरकार पर उपेक्षा का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें शीघ्र नहीं मानी गईं, तो 19 अप्रैल 2026 से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष नवल पुंडीर ने कहा कि प्रदेश के सभी नर्सिंग अभ्यर्थी लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से अपना हक मांग रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने अपनी प्रमुख मांगें रखते हुए कहा कि नर्सिंग भर्ती प्रक्रिया को पूर्व की भांति वर्षवार आधार पर संचालित किया जाए। इसके अलावा, प्रदेश की चरमराती स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए आईपीएचएस मानकों के अनुरूप अस्पतालों में कम से कम 2000 पदों पर नर्सिंग भर्ती सुनिश्चित की जाए।मंच ने पूर्व में संचालित भर्ती प्रक्रिया में गंभीर विसंगतियों के आरोप लगाए। पुंडीर ने कहा कि एक

ही भर्ती प्रक्रिया में स्पष्ट असमानता अपनाई जा रही है। जहां एक ओर आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का चयन वर्ष 2020–21 तक की वरिष्ठता के आधार पर किया जा चुका है, वहीं सामान्य वर्ग के वर्ष 2014 के अभ्यर्थी आज भी चयन से वंचित हैं। उन्होंने इसे नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन बताया।प्रेस वार्ता में मंच के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि लगातार हो रही अनदेखी के चलते अब वे अपने आंदोलन को और तेज करने जा रहे हैं। 19 अप्रैल से शुरू होने वाली अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल के बाद भी यदि सरकार नहीं जागती है, तो आंदोलन को व्यापक स्तर पर ले जाया जाएगा। मंच ने सरकार और संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि अभ्यर्थियों के भविष्य और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को ध्यान में रखते हुए इस मसले का शीघ्र समाधान किया जाए।

निजी स्कूलों की मनमानी व फीस वृद्धि पर अभिभावकों में आक्रोश

देहरादून। दून में निजी स्कूलों की ओर से लगातार की जा रही फीस वृद्धि को लेकर अभिभावकों ने आक्रोश जताया। अभिभावकों ने जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में रोष प्रदर्शन किया। गुरुवार को अभिभावक काफी संख्या में कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह के आवास पहुंचे और मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। अभिभावकों ने कहा कि फीस वृद्धि होने से लोग परेशान हैं। आरोप लगाया कि शहर के कई नामी प्राइवेट स्कूल नियमों को दरकिनार कर 20 से 25 प्रतिशत तक फीस बढ़ा रहे हैं। इससे मध्यमवर्गीय परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है।अभिभावक राजीव प्रजापति, तनुज शर्मा, निशांत शर्मा ने बताया कि स्कूल प्रबंधन मनमाने तरीके से फीस बढ़ा रहा है। साथ ही किताबों और अन्य शुल्कों में भी भारी बढ़ोतरी की जा रही है। प्रीतम सिंह ने अभिभावकों की समस्याओं को गंभीरता से लेकर डीएम सविन बंसल से फोन पर संपर्क किया और उसी समय मुलाकात की। प्रीतम सिंह और अभिभावकों ने डीएम कार्यालय में जिलाधिकारी बंसल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। विधायक प्रीतम सिंह ने डीएम को याद दिलाया कि 1 और 2 अप्रैल 2025 को प्रशासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि कोई भी स्कूल तीन वर्षों के भीतर 10% से अधिक फीस नहीं बढ़ा सकता। इसके बावजूद कई स्कूल इन नियमों का उल्लंघन कर 20–25% तक फीस बढ़ा रहे हैं, जो पूरी तरह गलत और नियमों के खिलाफ है।डीएम सविन बंसल ने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी और जो भी स्कूल दोषी पाए जाएंगे।

सीबीएसई 10वीं में बियरशिबा विद्यालय का शानदार प्रदर्शन, शिवेश शाह बने टॉपर

अल्मोड़ा। बियरशिबा सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सीबीएसई हाईस्कूल परीक्षा में इस वर्ष भी शानदार प्रदर्शन करते हुए शत–प्रतिशत परिणाम दर्ज किया है। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। इस वर्ष कुल 80 विद्यार्थियों ने बोर्ड परीक्षा में भाग लिया और सभी विद्यार्थी सफल रहे। परीक्षा में शिवेश शाह ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। सुधांशु शैलाकोटि और निकिता कनवाल ने 94–94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान साझा किया। प्रियांशु बिष्ट ने 93 प्रतिशत और आराध्या बिष्ट ने 92 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। आद्या और अश्विन कुमार ने 91–91 प्रतिशत अंक हासिल किए, जबकि दिव्या रावत ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अन्य मेधावी विद्यार्थियों में प्रज्वल जोशी, कनिष्का और साक्षी रावत ने 88–88 प्रतिशत, एंजेल आस्था हुक्कल और दक्ष बिष्ट ने 87–87 प्रतिशत, रोहित पाटनी ने 86 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। दिव्यांशु कोहली और शांभवी बिष्ट ने 85–85 प्रतिशत, यशवर्धन देवरी और हर्षिता मेहरा ने 84–84 प्रतिशत अंक हासिल किए।

हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

रुद्रपुर। हाईवे पर बगवाड़ा मंडी के पास गुरुवार तड़के एक अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, ग्राम जमुनिया थाना देवरिया बहेड़ी जिला बरेली निवासी 29 वर्षीय दुर्ग पाल पुत्र पूरन लाल रुद्रपुर के ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में किराये पर रहकर सिडकुल की एक फैक्ट्री में काम करता था। बुधवार शाम वह मानपुर शेरगढ़, बरेली में दोस्त की बारात में शामिल होने गया था। गुरुवार तड़के वह अपने दोस्त शिवम निवासी राजा कॉलोनी के साथ बाइक से रुद्रपुर लौट रहा था। करीब चार बजे बगवाड़ा मंडी के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक घायल हो गए।

हरिद्वार के श्मशान घाटों के सुधार एवं सुविधाओं के विस्तार की तैयारी

हरिद्वार। कुंभ मेला 2027 की तैयारियों के अंतर्गत मेलाधिकारी सोनिका ने हरिद्वार में प्रस्तावित प्रशासनिक रोड कॉरिडोर सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों को निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के सख्त निर्देश दिए। मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेला करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा आयोजन है, इसलिए सभी निर्माण कार्य समय पर एवं मानकों के अनुरूप पूरे होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने शंकराचार्य चौक सहित अन्य प्रमुख चौराहों के सौंदर्यीकरण एवं सुधार के निर्देश देते हुए कहा कि यातायात में बाधा उत्पन्न करने वाले अव्यवस्थित खंभों एवं अन्य अवरोधों को तत्काल हटाया जाए। साथ ही क्षेत्र को अतिक्रमणमुक्त बनाए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि कुंभ मेला मद के अंतर्गत शंकराचार्य चौक से मेला नियंत्रण भवन (सीसीआर) तक प्रशासनिक रोड कॉरिडोर के विकास कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। इस योजना के तहत लगभग 7 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण, दोनों ओर

फुटपाथ, तथा करीब 1 किलोमीटर क्षेत्र में लगभग 5.5 मीटर चौड़ा पैदल मार्ग विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त सड़क के सौंदर्यीकरण, ड्रेनेज व्यवस्था एवं स्ट्रीट लाइटिंग की भी व्यवस्था की जाएगी। चंडी चौक से आने वाले मार्ग पर मौजूदा पुल के समानांतर एक अतिरिक्त लेन का पुल भी निर्मित किया जाएगा।

मांगों को लेकर कर्मचारी महासंघ का आंदोलन ऐलान

देहरादून। राज्य निगम कर्मचारी–अधिकारी महासंघ ने नियमितिकरण समेत दस सूत्रीय मांगों को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान कर दिया है। प्रेस क्लब के महासंघ के महासचिव श्याम सिंह नेगी ने आंदोलन की घोषणा की है। ने कहा कि सार्वजनिक निगमों, निकायों और उपक्रमों में कार्यरत दैनिक वेतन, संविदा, आउटसोर्स और विशेष श्रेणी के कर्मचारियों की समस्याएं लंबे समय से लंबित हैं, लेकिन शासन स्तर पर कोई ठोस समाधान नहीं किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष दिनेश पंत ने कहा कि महासंघ की ओर से 10 सूत्रीय मांगों को लेकर कई बार शासन–प्रशासन को ज्ञापन दिए गए, बावजूद इसके सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई। इससे कर्मचारियों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है और अब आंदोलन ही एकमात्र विकल्प बचा है। बताया कि 23 अप्रैल को गांधी पार्क, देहरादून में धरना–प्रदर्शन, 30 अप्रैल को हरिद्वार में प्रदर्शन और 12 मई से देहरादून में क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा। इसके बाद मांगें नहीं मानी गई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

इस मौके पर संरक्षक दिनेश गोसाईं, संरक्षक बीएसएम रावत, राजेश रमोला, मेजपाल सिंह, मनमोहन चौधरी, शिशुपाल रावत, टीएस बिष्ट, ओम प्रकाश भट्ट आदि मौजूद रहे।महासंघ की मांगेंसंविदा, उपनल, आउटसोर्स व विशेष श्रेणी के कर्मचारियों का शीघ्र नियमितीकरण किया जाए।दैनिक वेतन/पीआरडी/संविदा कर्मियों को समान कार्य के लिए समान वेतन लागू किया जाए।

डेंगू को लेकर जागा नगर निगम, फागिंग के निर्देश

देहरादून। प्रमुख संवाददाता गर्मियां बढ़ने के साथ ही शहर में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां फैलने की आशंका को लेकर नगर निगम जागा है। शहर में कचरे के हाटस्पॉट चिन्हित होंगे। निगम कमिश्नर ने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन में चार तरह से पृथककरण के भी निर्देश जारी किए हैं।गुरुवार को मेयर सौरभ थपलियाल और नगर आयुक्त नमामि बंसल ने स्वच्छता को लेकर बैठक ली। जिसमें शहर में फागिंग और कूड़ा उठान को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। बैठक में डोर–टू–डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था को मजबूत और सुचारू करने के निर्देश दिग गए। साथ ही सभी वाहनों के रूट कवरेज में सुधार और कचरे के स्रोत पर ही पृथक्करण को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित फॉगिंग और लार्वीसाइडल स्प्रे चलाने के भी निर्देश दिए गए, ताकि जनस्वास्थ्य सुरक्षित रखा जा सके।इसके साथ ही नालियों और नदी–नालों की समयबद्ध सफाई, सभी गार्बेज वल्नरेबल पॉइंट्स की प्राथमिकता से सफाई तथा शहर में सतत निगरानी रखने पर जोर दिया गया।

मंत्री खजान दास ने की समाज कल्याण योजनाओं की समीक्षा

विधवा, दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों के लिए पेंशन व अनुदान राशि बढ़ाने का प्रस्ताव

देहरादून। प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री खजान दास ने विधान सभा स्थित सभागार कक्ष में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मंत्री ने समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि विभाग के समस्त कर्मचारीगण आपसी समन्वय तथा जिम्मेदारी से अपनी योग्यता के अनुसार कार्य करें जिससे विभाग की प्रगति में सुधार लाया जा सके। उन्होंने पेंशन योजनाओं के तहत विधवा एवं दिव्यांग पेंशन को 1500 रूपये से 25 प्रतिशत बढ़ाकर 1875 रूपये कर दी गई है। तथा बौना पेंशन तथा तीलू रौतेली पेंशन को 1200 रूपये से बढ़ाकर 1500 रूपये करने तथा दिव्यांग भरण–

पोषण अनुदान को 700 रूपये को बढ़ाकर 1000 रूपये करने हेतु अधिकारियों को जरूरी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिये। समाज कल्याण मंत्री ने छात्रवृत्ति योजनाओं से संबंधित सत्यापन के तरीके को सुदृढ़ बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि छात्रवृत्ति योजनाओं में किसी भी तरह की त्रुटि बर्दाशत नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद लाभार्थी छात्रवृत्ति योजनाओं से वंचित न रहने पाएं। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित अनुदान योजनाओं के बारे में भी समीक्षा की। मंत्री ने राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय तथा राजकीय औद्योगिक आस्थानों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजकीय औद्योगिक आस्थानों में नये ट्रेड शुरू किये जाएं तथा अनुभवी शिक्षकों, प्रशिक्षकों की नियुक्ति की जाए। मंत्री ने डॉ0 बीआर अम्बेडकर अनुसूचित जाति छात्रावास की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रदेश में इस तरह के 14 छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। मंत्री ने गर्लस इण्टर कॉलेज मसूरी के छात्रावास भवन का पुनर्निर्माण 03 माह में पूरा करने तथा माह सितम्बर 2026 तक छात्रावास के संचालन शुरू करने के निर्देश दिये। उन्होंने पेंशन एव अन्य कल्याणकारी योजनाओं में आय सीमा 4000 रूपये से बढ़ाकर 6000 रूपये किये जाने का प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिये। मंत्री ने इंटरकास्ट मैरिज हेतु सामान्य जाति की विधवा एवं एससी–एसटी परिवारों को दिये जाने वाली शासकीय सहायता की समयसीमा वित्तीय वर्ष न रखते हुए 365 दिन (डेट टू डेट) की अवधि किये जाने के भी निर्देश दिये। मंत्री ने प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना के अंतर्गत संचालित आदर्श ग्राम योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इस तरह की योजनाओं को विभाग द्वारा बढ़ावा देना चाहिए जिससे जनकल्याण का हमारा प्रयास पूर्ण हो सके।

मानकों के विपरीत संचालित हो रहे बारात घर, आग लगी हो बढ़ेगी चुनौती

कोटद्वार शहर जहां बारात घरों में नियमों की अनदेखी हो रही है।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कोटद्वार नगर निगम क्षेत्र की बात करें तो शायद ही कोई ऐसा गली- मोहल्ला हो, जहां वैडिंग प्वाइंट संचालित न हो रहे हैं। लेकिन, सुरक्षा मानकों की बात करें तो इन वैडिंग प्वाइंटों में सुरक्षा पूरी तरह भगवान भरोसे है। हालात यह हैं कि कई वैडिंग प्वाइंटों में अग्नि सुरक्षा के नाम पर हाईड्रेंट छोड़िए, पेयजल टैंक तक नहीं हैं। इतना ही नहीं, कई वैडिंग प्वाइंट तो ऐसे स्थानों में बने हैं, जहां दमकल वाहन का पहुंचना तक बड़ी चुनौती है।

नियमानुसार वैडिंग प्वाइंट संचालन के लिए दमकल विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लेना बेहद जरूरी है। लेकिन, कोटद्वार क्षेत्र की बात करें तो यहां कुकरमुत्तों के समान वैडिंग प्वाइंट खुले हैं। इनमें से कई ऐसे भी हैं, जो दमकल विभाग की जानकारी में भी नहीं है। स्पष्ट है कि ऐसे वैडिंग प्वाइंटों का संचालन नियमों को ताक में रखकर किया जा रहा है। हालांकि, जिनके बारे में दमकल विभाग को जानकारी हैं, वहां भी अग्नि सुरक्षा संबंधी शायद ही कोई उपाय मौजूद हों। हालात यह हैं कि किसी भी वैडिंग प्वाइंट में ऐसे उपाय नहीं, जिसमें अग्नि दुर्घटना के दौरान तत्काल आग पर काबू पाने के उपाय किए जा सकें। कई वैडिंग प्वाइंटों में न तो अग्नि सुरक्षा संबंधी टैंक बने हैं और न ही आग बुझाने के लिए हाईड्रेंट लगाए गए हैं।

यह हैं नियम

वैडिंग प्वाइंटस के लिए यह जरूरी है कि प्रत्येक सौ वर्ग मीटर क्षेत्र के लिए कम से कम एक चार किलोग्राम का ड्राई पाउडर अग्निशामक यंत्र, स्प्रिंकलर सिस्टम, आपातकालीन निकास मार्ग होना बहुत जरूरी है। आग बुझाने के लिए वैडिंग प्वाइंट में बड़ा टैंक उपलब्ध हो, जो हर समय भरा रहे। वैडिंग प्वाइंटों के कर्मचारी अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करना जानते हों। इतना ही नहीं, वैडिंग प्वाइंटों में वर्ष में कम से कम दो बार फायर ड्रिल होनी चाहिए। हालांकि, बात कोटद्वार की करें तो यहां शायद ही कभी किसी वैडिंग प्वाइंट में फायर ड्रिल हुई हो।

हर व्यक्ति को भरना चाहिए जनगणना का फार्म

नगर निगम स्थित अपने कार्यालय में आनलाइन स्वगणना प्रक्रिया पूर्ण करते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः जनगणना-2027 के तहत महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने आनलाइन जनगणना फार्म भरा। इस दौरान उन्होंने हर व्यक्ति से फार्म भरने की अपील की। महापौर शैलेंद्र सिंह रावत ने आवास गणना के तहत स्वगणना फार्म भरा। उन्होंने डिजिटल जनगणना प्रक्रिया को पूर्ण समर्थन देते हुए आम नागरिकों से भी इसमें सक्रिय भागीदारी करने की अपील की। शैलेंद्र रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश की यह पहली डिजिटल जनगणना एक ऐतिहासिक कदम है। इस डिजिटल स्वरूप ने गणना प्रक्रिया को अत्यंत सरल, पारदर्शी, त्वरित और त्रुटिरहित बना दिया है। अब हर नागरिक स्वयं अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से आधिकारिक पोर्टल पर अपनी सही जानकारी दर्ज कर सकता है। कहा कि जनगणना केवल आंकड़े एकत्र करने का काम नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के भविष्य की नींव है। सटीक जनगणना के आधार पर ही केंद्र व राज्य सरकार की विकास योजनाएं, संसाधनों का उचित वितरण तथा लक्षित लाभार्थी चयन संभव हो पाएगा। डिजिटल जनगणना से सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक बिना किसी रिसाव के पहुंचेगा।

एक नजर

लव जेहाद की घटनाओं पर जताई चिंता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल की बैठक में लैंड जेहाद व लव जेहाद के नाम पर की जा रही साजिशों पर चिंता जताई गई। कहा कि विहिप व बजरंग दल हिंदू समाज के विरूद्ध की जा रही साजिशों के खिलाफ संघर्ष करता रहेगा।नगर कार्यालय में जिला महामंत्री राजेश जदली की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में लैंड जेहाद के मामले बढ़े हैं। साथ ही लव जेहाद के नाम पर हिंदू समाज के लोगों के साथ साजिशें हो रही है, जिसके लिए सभी लोगों को सतर्क रहने का आग्रह किया। बैठक में जिला अभ्यास को लेकर भी चर्चा की गई । साथ ही संगठन के प्रति निष्ठा रखने वाले नए कार्यकर्त्ताओं को पट्टा पहना कर संगठन में शामिल करते हुए उन्हें निष्ठावान बने रहने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर पवन सैनी, अमित असवाल, सौरभ, सूरज दीपक शर्मा, रितिक गौडियाल, अक्षम कुमार, अंकुर सैनी, हिंमाशु कुमार, अनिल सैनी, अंकित ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।

केंद्रीय विद्यालय लैंसडौन के आरव यादव ने हाईस्कूल में किया टॉप

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः केंद्रीय विद्यालय लैंसडौन के आरव यादव ने सीबीएसई हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा में 97.4 फीसदी अंक हासिल कर नगर टॉप किया है। वहीं, आर्मी पब्लिक स्कूल में आयुष मिश्रा ने 96.8 प्रतिशत अंक पाकर विद्यालय टॉप किया है।

केंद्रीय विद्यालय में आरव यादव ने 97.4 फीसदी अंक, भावना व साक्षी ध्यानी ने 96.2 फीसदी अंक व कीर्ति ने 95 फीसदी अंक प्राप्त किए। प्रधानाचार्य अक्षिता चौधरी ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। आरव यादव ने 97.4 फीसदी अंक प्राप्त कर नगर के विद्यालयों में पहला स्थान पाकर नगर का गौरव बढ़ाया है। आर्मी पब्लिक स्कूल में आयुष मिश्रा ने 96.8 फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में पहला, विराज सोंधी ने 96.2 फीसदी अंक लेकर द्वितीय, अक्षिता रौतेला ने 94.4 फीसदी अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पाया। प्रधानाचार्य विजेंद्र सुंद्रियाल ने बताया कि विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा है। 25 छात्रों में से 6 विद्यार्थियों ने 90 फीसदी, 9 छात्रों ने 80 फीसदी अंक प्राप्त किए।

संस्कृत साहित्य की प्रासंगिकता पर डाला प्रकाश

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के केंद्रीय पुस्तकालय में साहित्य विद्या शाखा की ओर से प्रकाशित नवीन ग्रंथ राजनीति विमर्श पर एक विशेष परिचर्चा आयोजित की गई। महाकवि भारवि रचित कालजयी कृति किरातार्जुनीयम् पर आधारित इस ग्रंथ के विमोचन व चर्चा के दौरान विद्वानों ने संस्कृत साहित्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। परिसर के निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने कहा कि संस्कृत साहित्य मूलतः नैतिकता प्रधान है। उन्होंने कहा कि आज भी समाज की हर जटिल समस्या का समाधान गीता, रामायण और महाभारत जैसी अमर संस्कृत कृतियों में ही समाहित है। डॉ. एमएन नौडियाल ने इसे एक महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ की संज्ञा दी। वहीं डॉ. प्रभाकर जोशी ने इस पुस्तक को राजनीति विज्ञान के विद्यार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। लेखक डॉ. शैलेंद्र नारायण कोटियाल और प्रो. चंद्रकला आर.कोण्डी ने बताया कि इस ग्रंथ की विषयवस्तु में मुख्य रूप से राजनीतिक व्यवहार और कूटनीतिक चर्चाओं को केंद्र में रखा गया है। संचालन डॉ. नवीन डोबरियाल ने किया। डॉ. अनिल कुमार, डॉ. सुशील बडोनी आदि मौजूद रहे।

सात जन्मों के बंधन में बंधने के लिए जयहरीखाल–लैंसडौन बनी पहली पसंद

कोटद्वार। लैंसडौन और जयहरीखाल अब वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में पहचान बना रहा है। यही वजह है कि गतवर्ष पूरे साल में 15 शादियां हुई थीं जबकि इस वर्ष जून तक ही 14 शादियां बुक हो चुकी है। बैसाख में शादियों के लिए क्षेत्र के होटल और रिजॉर्ट्स में अग्रिम बुकिंग हो चुकी है जिससे होटल व्यवसायियों के चेहरे खिले हैं। कैटरिंग, सजावट, फोटोग्राफी, ब्यूटी पार्लर सहित कई क्षेत्रों में स्थानीय लोगों को रोजगार मिल रहा है। विवाह समारोहों में ढोल–दमाऊ, मसकबीन और मांगल गीतों की धुन गूंज रही है जिससे पारंपरिक संस्कृति का संरक्षण हो रहा है। वहीं, बरातियों को अरसे, बाल मिठाई, मंडुवे की बर्फी, झंगोरे की खीर जैसे पारंपरिक व्यंजन परोसे जा रहे हैं जिससे स्थानीय खानपान को भी बढ़ावा मिल रहा है। होटल व्यवसायी एवं एमडी राहुल रावत, होटल व्यवसायी मनीष भट्ट ने बताया कि इस बार शादी के सीजन को लेकर काफी उत्साह है। हमारे पास मुंबई और ग्रेटर नोएडा से भी शादियों की बुकिंग आई है। मेहमानों की मांग के अनुसार सभी व्यवस्थाएं की जा रही है। जयहरीखाल–लैंसडौन की प्राकृतिक सुंदरता और परंपराएं लोगों को खासा आकर्षित कर रही है। लैंसडौन होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय सतीजा ने बताया कि गतवर्ष क्षेत्र में करीब 15 डेस्टिनेशन शादियां हुई थी। इस वर्ष अप्रैल से जून तक 12 से 14 शादियों की अग्रिम बुकिंग मिल चुकी है। अभी भी बुकिंग जारी है। वर्ष के अंत तक यह संख्या और बढ़ने की पूरी उम्मीद है।

गोरखा राइफल्स को हरा फाइनल में पहुंची 12 गढ़वाल राइफल्स की टीम

कोटद्वार। जीआरआरसी के गबर सिंह कैंप में चल रही गढ़वाल राइफल्स इंटर बटालियन फुटबाल चैंपियनशिप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में 2/3 गोरखा राइफल्स को हराकर 12 गढ़वाल की टीम फाइनल में पहुंच गई है। गढ़वाल राइफल्स रेजिमेंटल सेंटर के फुटबाल कोच अरुण नेगी ने बताया कि गढ़वाल कप का पहला सेमीफाइनल मैच 12 गढ़वाल राइफल्स और 2/3 गोरखा राइफल्स के बीच खेला गया। पूरे मुकाबले में 12 गढ़वाल राइफल्स की टीम हावी रही। टीम ने यह मुकाबला 3–0 अंकों के अंतर से जीतकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। टीम की ओर से 2 गोल प्रवेश बिष्ट और 1 गोल अमित नेगी ने किया। वहीं, 2/3 गोरखा राइफल की टीम ने विपक्षी खेमे पर कई आक्रमण किए, लेकिन 12 गढ़वाल की रक्षा पंक्ति ने उनके प्रयासों पर पानी फेर दिया। कोच अरुण नेगी ने बताया टूर्नामेंट का चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 10 गढ़वाल और 16 गढ़वाल के बीच खेला गया, जिसमें 16 गढ़वाल की टीम ने 1–0 से विजय हासिल की। अब 16 गढ़वाल सेमीफाइनल मुकाबले में 15 गढ़वाल से भिड़ेगी। इससे पहले सेमीफाइनल मैच का उद्घाटन गढ़वाल राइफल्स के सेंटर कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी विशिष्ट सेवा मेडल ने किया।

सड़क पर छोड़े गोवंश तो होगी कार्रवाई

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नगर आयुक्त पीएल शाह ने निराश्रित गोवंश की समस्या के समाधान के लिए पशु प्रेमियों व संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक का उद्देश्य गोवंश के समुचित संरक्षण, प्रबंधन व सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीति तैयार करना रहा।

बैठक में नगर क्षेत्र में घूम रहे आक्रामक नंदी को चिह्नित कर सुरक्षित रूप से पकड़कर नजदीकी गोशालाओं में भेजने का निर्णय लिया गया। उनके रखरखाव व उपचार की समुचित व्यवस्था करने पर चर्चा हुई। नगर क्षेत्र में उपलब्ध गोशालाओं की सीमित क्षमता को देखते हुए अतिरिक्त गांवों को आवश्यकतानुसार अन्य राज्यों की गोशालाओं में स्थानांतरित किया जाएगा।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि नगर क्षेत्र में सड़कों पर घूम रहे निराश्रित गोवंशों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। नागरिकों को सूचित किया जाएगा कि वे अपने गोवंश को खुले में न छोड़ें। किसी व्यक्ति द्वारा अपने पशुओं को खुला छोड़ा जाता है तो नगर निगम द्वारा ऐसे पशुओं को गोशाला में छोड़ते हुए संबंधित पशु स्वामी के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की जाएगी।

रनाड़ी गांव में संपन्न हुआ कचड़ू देवता का मेला

उत्तरकाशी। डुंडा क्षेत्र की सुख, समृद्धि के लिए रनाड़ी गांव में तीन दिवसीय कचड़ू देवता का मेला हुआ। मेले के अंतिम दिन कचड़ू देवता की डोली ने ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर आशीर्वाद दिया। वहीं, ग्राम प्रधान सुनैना देवी के छह माह के कार्यकाल में बनाया गया गांव के लिए स्वागत गेट का लोकार्पण किया गया। डुंडा ब्लॉक के रनाड़ी गांव में बीते तीन दिनो से कचड़ू देवता का मेल चल रहा था। ग्रामीणों ने देवता की डोली के साथ रांसो–तांदी नृत्य कर गांव की सुख–समृद्धि, शांति एवं फसल के अच्छे उत्पादन की कामना की। रनाड़ी गांव के भरतचंद रमोला ने बताया कि बैसाखी पर गांव में कचड़ू देवता का मेला आयोजन किया जाता है। इसके बाद अब कचड़ू देवता की डोली अस्थल गांव जाएगी। इस मौके पर खेम चंद रमोला, जयवीर शाह, धर्म सिंह रजवार, सोवन चंद रमोला, राम नरेश नौटियाल, सुरेश सिंह, सूरत चंद आदि मौजूद रहे।

दिल्ली से नाबालिग को लाकर कोटद्वार में किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

कोटद्वार कोतवाली परिसर में पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में दिल्ली से कोटद्वार स्थानांतरित हुई जीरो एफआईआर पर कोटद्वार पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। न्यायालय के आदेश पर आरोपी को जेल भेज दिया गया।

कोतवाल प्रदीप नेगी ने बताया कि थाना राजेंद्र नगर, दिल्ली से एक जीरो एफआईआर कोटद्वार पुलिस को मिली, जिसमें किशोरी द्वारा उसके साथ कोटद्वार के ध्रुवपुर में शारीरिक संबंध बनाए जाने की बात कही गई। घटना के बाद वह गर्भवती हो गई। कोतवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर कोतवाली में पॉक्सो अधिनियम समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी गई। मामला नाबालिग के साथ दुष्कर्म का होने के कारण इसे अत्यंत संवेदनशील मानते हुए एसएसपी पौड़ी सर्वेश पंवार ने कोतवाली पुलिस को तुरंत एवं प्रभावी कार्रवाई करने के कड़े निर्देश दिए।कोतवाल प्रदीप नेगी के नेतृत्व में गठित टीम ने साक्ष्य जुटाने के साथ घटना से जुड़े पहलुओं की जांच करते हुए आरोपी दिवाकर, निवासी सतपुली को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल ने बताया कि नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय के आदेश पर दिवाकर को जेल भेज दिया गया। दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एसआई दीपिका बिष्ट आदि पुलिसकर्मी शामिल रहे।

डीएवी पब्लिक स्कूल के शारदुल थपलियाल ने किया टॉप

जयन्त प्रतिनिधि।

डीएवी पब्लिक स्कूल का टॉपर शारदुल थपलियाल

कोटद्वारः गुरुवार को सीबीएसई बोर्ड ने दसवी कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किया। कोटद्वार के डीएवी पब्लिक स्कूल के शारदुल थपलियाल ने 99.2 अंकों के साथ टॉप किया। बच्चों की इस सफलता पर शिक्षकों व अध्यापकों ने खुशी व्यक्त की है।

परीक्षा परिणाम को लेकर बच्चों में उत्साह बना हुआ था। जैसे ही परीक्षा परिणाम जारी हुआ बच्चों के चेहरे खिल उठे। अधिकांश विद्यालय के बच्चों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं। डीएवी पब्लिक स्कूल के शारदुल थपलियान ने 99.2 के साथ टॉप किया। वहीं, डीएवी पब्लिक स्कूल के रिशांत बिष्ट ने 96.8 प्राप्त किए। डीएवी पब्लिक स्कूल की अनन्या वशिष्ट ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। साथ ही विद्यालय के अक्षज नेगी ने 95.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। ब्लूमिंग वैल पब्लिक स्कूल कोटद्वार की एंजल अग्रवाल ने 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। जबकि, विद्यालय के चार्वी कुलाश्री ने 97.4 अंक प्राप्त किए। इसी विद्यालय के पार्थ कुमार सिंह ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। विद्यालय की परिधि गुप्ता ने 97.2 अंक प्रप्त किए। हेड हैरिटेज एकेडमी के अन्न्या रावत ने 95 प्रतिशत रूद्रांश आर्य ने 94.8 अंक प्राप्त किए। बलूनी पब्लिक स्कूल की अरुणिमा बड़थ्वाल ने 96, रवींद्र कांत डबराल ने 95.2, पार्थ दुदपुडी ने 93.4, प्रत्याशु उनियाल ने 93.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बाल भरती स्कूल की सृष्टि फलाना ने 97.4 प्रतिशत, अनुकल्प रावत ने 95 प्रतिशत और आयुषि ने 90.2 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। बच्चों की सफलता पर शिक्षकों व उनके अभिभावकों ने खुशी व्यक्त की।

टेक्नीशियनों के अभाव से एक्सरे और पैथोलॉजी जांचें ठप

उत्तरकाशी। आउटसोर्स से जनपद के विभिन्न अस्पतालों में सेवाएं दे रहे एक्सरे और लैब टेक्नीशियनों का वार्षिक अनुबंध समाप्त होने से चारधाम यात्रा मार्ग पर स्थित अस्पतालों में एक माह से नियमित एक्सरे और पैथोलॉजी जांचें नहीं हो पा रही है। यमुनोत्री धाम के यात्रा पड़ाव नौगांव स्थित सीएचसी अस्पताल में जांचें प्रभावित होने से मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जनपद के कई अस्पतालों में समस्या बनी है। दूर दराज से आने वाले मरीजों को प्राइवेट अस्पतालों में महंगे दाम पर एक्सरे और जांचे करवानी पड़ रही है।

एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः डॉ पीतांबर दत्त बड़थ्वाल हिमालयन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार में राष्ट्रीय केडेट कोर तथा कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल` के संयुक्त तत्वावधान में "PATHWAYS TO CAREER IN INDIAN ARMY" विषय पर एक विशेष राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता के रूप मे` गढ़वाल राइफल रेजिमेंट सेंटर के कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी V.S.M. तथा प्रशिक्षण कंपनी कमांडर कैप्टन निर्भय सिंह द्वारा " भारतीय रक्षा सेवाओं में रोजगार के विभिन्न अवसर " विषय पर छात्र छात्राओं को जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम को प्रारंभ करते हुए महाविद्यालय के NCC केडेट ने अतिथियो का GUARD OF HONOUR देकर सम्मान किया। प्राचार्य प्रो डी एस नेगी ने` कमांडेंट ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ ऋचा जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए छात्र छात्राओं को कार्यशाला का महत्व बताते हुए कहा कि हमारी थलसेना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता और अखंडता का मुख्य आधार है, जो विदेशी आक्रमणों और आंतरिक खतरों से रक्षा करती है।

कार्यशाला को प्रारंभ करते हुए महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर डी एस नेगी जी ने` छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यशाला का उद्देश्य युवाओं के मध्य भारतीय सेना में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है ।भारतीय सेना में रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध हैं, जो युवाओं को एक सुरक्षित भविष्य, साहसी जीवनशैली और देश सेवा का सम्मान प्रदान करते हैं।भारतीय सेना आधुनिक तकनीक, स्वदेशीकरण और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे प्रयासों से लगातार सशक्त हो रही है।

व्याख्यान का प्रारंभ करते हुए कैप्टन निर्भय सिंह ने अग्निपथ योजना (Agniveer Recruitment) की जानकारी देते हुए कहा कि सेना में जवानों के पदों पर भर्ती अब 'अग्निवीर' के रूप में होती है। उनके द्वारा इस योजना के लिए पद, योग्यता, चयन प्रक्रिया, स्वास्थ्य सुरक्षा, वेतन, सेवा अवधि एवं अन्य सुविधाओं की छात्र छात्राओं को जानकारी दी गई । साथ ही उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी , कंबाइंड डिफेंस सर्विसेज, शॉर्ट सर्विस कमीशन, T.E.S., J.A.G, आदि के विषय में जानकारी देते हुए छात्र छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर दिया।

ब्रिगेडियर विनोद सिंह नेगी जी ने अपने उद्बोधन मे` वर्तमान परिवेश में भारतीय सेना, वायु सेना एवं जल सेना की सुदृढ़ता की आवश्यकता को बताते हुए देश की सुरक्षा को ही सर्वोपरि कहा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए ध्येय केंद्रित मेहनत एवं लगन ही सफलता की कुंजी है। राष्ट्रीय रक्षा एकेडमी ना सिर्फ युवाओं को सुरक्षित भविष्य देती है बल्कि राष्ट्र को भी सुरक्षित करती है। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय की टीम को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु बधाई दी। इस कार्यशाला में कोटद्वार महाविद्यालय, डी ए वी पब्लिक स्कूल तथा हेदय हेरिटेज एकेडमी के ठउउ केडेट के साथ विभिन्न संकायो के छात्र छात्राओं ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग कर कार्यशाला को सफल बनाया। साथ ही महाविद्यालय के राष्ट्रीय केडेट कोर के उदित कंडारी, आद्या परिहार, डी ए वी पब्लिक स्कूल से दिव्यांशी शर्मा, हेदय हेरिटेज एकेडमी से विघ्नेश नेगी को उनकी विशिष्ट उपलब्धियों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।` महाविद्यालय के ऊर्जावान प्राचार्य द्वारा सम्मानित अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए। इस अवसर पर डॉ ऋचा जैन द्वारा लिखी पुस्तक " प्रोजेक्ट मैनेजमेंट" का भी विमोचन किया गया।` कार्यशाला का समापन महाविद्यालय, राष्ट्रीय केडेट कोर के अ.ठ.ड.तथा कार्यशाला के संयोजक डॉ वी सी शाह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित कर किया गया।

इस अवसर पर लैंसडौन अ.फ्ड. रिक्यूटिंग टीम, डी ए वी पब्लिक स्कूल से वी के शर्मा, हेदय हेरिटेज एकेडमी से विवेक ध्यानी, कैरियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सदस्य डॉ सुरेश कुमार, डॉ संजय मदान ,डॉ प्रमोद कुमार, डॉ डी के. मौर्य,` डॉ धर्म वीर सिंह, डॉ प्रियंका अग्रवाल, डॉ चंद्र प्रभा भारती, डॉ प्रियम अग्रवाल डॉ` सोमेश ढौंडियाल, रश्मि बहुखंडी , के साथ साथ महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ रमेश चौहान , डॉ भगवत सिंह रावत, डॉ संदीप कुमार,` डॉ रंजना सिंह, डॉ विनोद सिंह, डॉ रोशनी असवाल, डॉ संदीप अग्रवाल, डॉ अमित कुमार गौड़, डॉ मनोरथ प्रसाद नौगाई, डॉ मुकेश रावत, डॉ राकेश शाह, अरविन्द दुदपुड़ी, शेखर मैठाणी तथा छात्र संघ के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।।

मोटर पुल निर्माण में हो रही देरी पर जताया कड़ा रूख

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गेंवाली गांव में निर्माणाधीन मोटर पुल में लगातार हो रही देरी पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। डीएम ने पुल निर्माण कार्यों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए हैं।

बीते नौ अप्रैल को डीएम ने गेंवाली गांव का दौरा किया था। इस दौरान ग्रामीणों ने निर्माणाधीन पुल में अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। ग्रामीणों ने डीएम को बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत बन रहे पुल का निर्माण पिछले दो वर्षों से चल रहा है लेकिन महीनों से कार्य पूरी तरह ठप पड़ा हुआ है।ग्रामीणों ने बताया कि बीते वर्ष आई आपदा में पुल पर किया गया कुछ निर्माण कार्य बह गया था। आरोप है कि विभागीय अधिकारियों ने बिना कार्य पूर्ण हुए ही संबंधित ठेकेदार को भुगतान कर दिया। पुल निर्माण की धीमी प्रगति और विभागीय लापरवाही को लेकर स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने एसडीएम घनसाली अलकेश नौटियाल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। समिति में ईई लोनिवि घनसाली और ईई सिंचाई खंड टिहरी को सदस्य बनाया गया है। डीएम ने समिति को पूर्व में हुए कार्यों की गुणवत्ता, वित्तीय भुगतान और पूरी प्रक्रिया की गहन जांच कर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं और मेरी पत्नी वरिष्ठ नागरिक है तथा वृद्धावस्था के कारण विभिन्न बीमारियों से ग्रसित हैं। मेरे परिवार में मेरी पत्नी के साथ- साथ मेरा पुत्र राजेंद्र जोशी, पुत्रवधू रेखा जोशी, पौत्र दैविक जोशी मेरे साथ मेरे मकान में निवासरत है। मेरा पुत्र राजेंद्र जोशी पुत्रवधू रेखा जोशी मेरे कहने सुनने में नहीं है तथा हमें लगातार तरह-तरह से प्रताड़ित कर रहे हैं। मैं अपने पुत्र एवं पुत्रवधू से तंग आकर अपनी चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं तथा मेरे पुत्र एवं पुत्रवधू का आज से मेरी संपत्ति पर किसी प्रकार का अधिकार नहीं होगा। मेरे पुत्र एवं पुत्रवधु के किसी भी कृत्य के लिये वे उत्तरदायी होंगे मेरा व मेरी पत्नी का उनके कृत्य के लिये जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरीश चन्द जोशी पुत्र स्व0 अम्बा दत्त निवासी– पदमपुर मोटाढ़ाक, पो० मोटाढ़ाक तहसील–कोटद्वार जिला, पौडी उत्तराखण्ड

(0498/21)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/प्रथम द्वारा ई टेन्डर जिनके बन्द होने की तिथि प्रत्येक निविदा के सामने अंकित है। निम्न टेन्डर संख्या के अन्तर्गत आंमत्रित आमंत्रित किये जाते है जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशि का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर चैक, डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होंगे। टेन्डर से संबंधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या दिनांक	04-DRM-MB-26-27 Dt. 13.04.2026	09-DRM-MB-26-27 Dt. 15.04.2026	10-DRM-MB-26-27 Dt. 15.04.2026	11-DRM-MB-26-27 Dt. 15.04.2026	12-DRM-MB-26-27 Dt. 15.04.2026
कार्य का नाम	Upgradation of crew and train manager lobby at LRJ and DDN & running room at Dehradun	Improvement of roads and other Flooring upgradation at various stations (FROM LRJ TO RKSH) LRJ, ATMO, PRI, IKK, JWP, HW, RWL, MOTC & RKSH etc under Sr DEN 1 MB.	Construction of boundary wall to prevent of Heavy encroachment & tress passing between Jwalapur – Haridwar/ HW-MOTC under Sr DEN 1 MB.	Improvement of LC road surface by providing Rubberized Surface at LC No. 14,18,19,20,30, 37, 39 & 41 in the sec. of Sr.DEN/I/MB.	Drainage improvement in LRJ yard under ADEN/RK
निविदा का प्रकार	Works	Works	Works	Works	Works
निविदा की कीमत	Nil	Nil	Nil	Nil	Nil
अनुमानित लागत (रु.)	98,17,414.91	8,09,39,284.42	2,34,26,449.63	1,39,61,757.62	2,00,49,300.00
धरोहर राशि (रु.)	1,96,400.00	16,18,800.00	4,68,500.00	2,79,200.00	4,01,000.00
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक/समय	08.05.2026 16:00	08.05.2026 16:00	08.05.2026 16:00	08.05.2026 16:00	08.05.2026 16:00
बिडिंग स्टार्ट तिथि	24.04.2026	24.04.2026	24.04.2026	24.04.2026	24.04.2026
आफर की वैधता	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days	60 Days
कार्य पूर्ण करने की अवधि	06 Months	06 Months	06 Months	06 Months	06 Months

नं. 74-W/2/3/WA/Publication दिनांक : 16.04.2026 1265/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

श्वेत क्रांति में बढ़ते कदम

उत्तराखंड में डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने की शुरू हुई पहल रंग दिखाने लगी है। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में उत्तराखंड में तैयार किए गए दुख उत्पादन में आंचल डेरी ने नए आयाम स्थापित किए हैं जिसका लाभ उत्तराखंड के लोगों को आने वाले समय में और अधिक सुलभ और प्रतियोगी कीमतों पर उपलब्ध होगा। राज्य निर्माण के बाद उत्तराखंड के ग्रामीण एवं मैदानी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को दूध उत्पादन के लिए प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने कई योजनाएं शुरू की है। इसका उद्देश्य सुदूरवर्ती क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को उनके घरों से ही दूध एकत्रित करने एवं उचित दाम चुका कर जीविकोपार्जन के अवसर उपलब्ध कराना भी है। राज्य सरकार ने अब उत्तराखंड की दुर्लभ बद्री गाय के दूध से तैयार किए जाने वाले उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का भगीरथ प्रयास भी शुरू किया है। इसके लिए यूसीडीएफ और टाटा कंज्यूमर्स के बीच बद्री गाय घी व पहाड़ी घी के विपणन हेतु एमओयू भी हस्ताक्षरित किया गया, जिससे उत्तराखंड के सबसे बड़े दूध उत्पादक एवं विपणन संस्थान 'आंचल' ब्रांड को एक बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन करना है। उत्तराखंड के दूध उत्पादकों के आगे सबसे बड़ी समस्या दूध के विपणन और उचित दाम मिलने को लेकर है इसके लिए नए प्रयासों के तहत ईआरपी प्रणाली लागू की गई है जो दुग्ध उपार्जन, प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन की पूरी प्रक्रिया डिजिटल बनाएगी। इससे दुग्ध उत्पादकों को समय पर भुगतान, गुणवत्ता सुधार, तकनीकी सेवाओं की उपलब्धता के साथ–सा द सरकार द्वारा दूध उत्पादकों के लिए शुरू की गई योजनाओं कल लक्ष्य तक पहुंचने में मदद मिलेगी। आज आंचल डेरी अन्य डेरी कंपनियों के मुकाबले प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का प्रयास कर रही है लेकिन अभी वह मुकाम हासिल नहीं हुआ है जिसकी वह हकदार है। निश्चित तौर पर उत्तराखंड के अपने इस संस्थान को आम जनता तक दूध उत्पादन को पहुंचाने के लिए कीमतों में थोड़ी शिथिलता बरतनी पड़ेगी ताकि लोगों का रुझान उनकी और बढ़े। आज भी आंचल डेरी व्यापक स्तर पर आम जन तक नहीं पहुंच पाई है और प्रदेश का एक बड़ा बाजार दूसरी निजी कंपनियों के कब्जे में है। टाटा ब्रांड के साथ आंचल डेरी का यह गठबंधन आने वाले समय में आम जन के बीच कितना लोकप्रिय होगा यह तो समय ही बताएगा लेकिन जब तक कीमतों को अन्य कंपनियों की अपेक्षा थोड़ा सा कम नहीं रखा जाएगा तब तक लक्ष्य को प्राप्त करने में कड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। उत्तराखंड में वित्तीय वर्ष 2025–26 में औसत दैनिक दुग्ध उपार्जन 2.37 लाख लीटर रहा, जबकि अधिकतम 2.97 लाख लीटर प्रतिदिन दर्ज किया गया। अब नए प्रयासों के तहत आगामी वर्ष के लिए 3.25 लाख लीटर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सरकार ने दुग्ध उत्पादकों को दूध की कीमतों का भुगतान कम से कम समय में करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया है और अब उत्पादकों को 14 दिनों में भुगतान किया जाएगा जो एक सराहनीय निर्णय है। उत्तराखंड में अच्छी नस्लों के दुधारू पशुओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है ताकि अधिक दूध प्राप्त किया जा सके और उत्पादकों को अच्छा लाभ प्राप्त हो।

प्रेम और सहयोग का नाम है परिवार

पारिवारिक सदस्यों के त्याग, सहयोग, स्वच्छता, प्रेम, संतुष्टि व व्यसनमुक्ति से ही परिवार संयुक्त और समृद्धिशाली बनता है। वे सौभाग्यशाली हैं जो संयुक्त परिवार में रह रहे हैं तथा जिन्हें माता -पिता का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है। विश्व बंधुत्व की बात करने वालों को पहले अपने परिवार में बंधुत्व बनाए रखने के लिए प्रयत्न करना चाहिए। आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परिवार टूट रहे हैं। हम अधिकारों की बजाए एक-दूसरे के हितों का ध्यान रखेंगे, तभी हमारे परिवार खुशहाल और सुदृढ़ होंगे।

एक माता-पिता अपने पाँच-पाँच बच्चों को पाल पोसकर बड़ा करके योग्य बना देते हैं जबकि पाँच-पाँच बच्चे बुढ़ापे में अपने एक माता-पिता को संभालने से कतराते हैं। आज हम जितने बूढ़े दादा-दादी के प्रति लापरवाह हैं यदि हमारे बचपन में वे हमारे प्रति इतने ही लापरवाह होते तो हमारी क्या दुर्गति हो गई होती। इस बात को युवा पीढ़ी को अच्छी तरह ध्यान रखना चाहिए।

परिवार में ब्याह कर आई नई बहू को चाहिए कि जितने उम्र का पति उसे मिला है कम से कम उतने साल तो सास-ससुर का फर्ज मानकर उन्हें निभा देना चाहिए। इस पीढ़ी को व्यसनमुक्त होकर अपने माता-पिता की सेवा करने, उनके प्रणाम करने के तरीको को जीवन में अपनाना चाहिए। जीवन में सदाचार को अपना कर हमें अपने विचारों को बदलना होगा। विचार जीवन का प्रतिबिंब है। संतों की संगति से अच्छे विचार आते हैं। विचार अच्छे होना हमारी जागरूकता को दशार्ता है। हमारे विचार हमारे जीवन का परिचय देते हैं। रुपया-पैसे का लालच छोड़कर हमें जीवन में धार्मिक आराधना करते रहना चाहिए। जिससे हमारा जीवन और हमारे परिवार का जीवन सार्थक होगा।

पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतें आम आदमी की जेब पर भारी संकट

कांतिलाल मांडोत

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के कारण भारत में भी ईंधन महंगा होने की आशंका बढ़ गई है। विदेशी ब्रोकरेज फर्म की रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की कीमतों में लगभग 18 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 35 रुपए प्रति लीटर तक बढ़ोतरी संभव है। यह संभावित वृद्धि ऐसे समय में सामने आई है जब देश के कई राज्यों में चुनावी माहौल है और फिलहाल कीमतों को स्थिर रखा गया है।

भारत जैसे देश में जहां ऊर्जा की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है, वहां कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव सीधे आम लोगों की जिंदगी को प्रभावित करता है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से आयात करता है। इसमें से एक बड़ा हिस्सा मध्य पूर्व और रूस जैसे क्षेत्रों से आता है। ऐसे में वैश्विक राजनीतिक तनाव, युद्ध या आपूर्ति में कमी का असर सीधे भारतीय बाजार पर पड़ता है।

पिछले कुछ हफ्तों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि देखी गई है। करीब डेढ़ महीने के भीतर ही कीमतों में 27 डॉलर प्रति बैरल तक का उछाल दर्ज किया गया है। इस बढ़ोतरी ने तेल कंपनियों पर भारी दबाव बना दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, तेल कंपनियां हर लीटर पेट्रोल पर करीब 18 रुपए और डीजल पर 35 रुपए तक का नुकसान झेल रही हैं। कुल मिलाकर यह नुकसान प्रतिदिन लगभग 1600 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो पहले 2400 करोड़ रुपए के स्तर तक भी जा चुका था।

सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कुछ कटौती किए जाने के बावजूद यह राहत पर्याप्त साबित नहीं हो रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार का तेल पर मिलने वाला राजस्व भी घटा है। जहां 2017 में यह 22 प्रतिशत था, वहीं अब घटकर करीब 8 प्रतिशत रह गया है। इसका मतलब यह है कि सरकार के पास भी कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सीमित विकल्प बचे हैं। यदि सरकार पूरी तरह से एक्साइज ड्यूटी हटा भी दे, तब भी कंपनियों के घाटे की पूरी भरपाई संभव नहीं है।

इस स्थिति का एक बड़ा कारण वैश्विक स्तर पर बढ़ता तनाव भी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष, विशेष रूप से ईरान और यूनाइटेड स्टेट के बीच बढ़ती खींचतान, कच्चे तेल की आपूर्ति को प्रभावित कर रही है। आपूर्ति में कमी और मांग में स्थिरता या वृद्धि के कारण कीमतें तेजी से ऊपर जा रही हैं। इसका असर केवल ईंधन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। ईंधन की कीमतें बढ़ने का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिससे हर वस्तु की कीमत बढ़ जाती है। खाद्य तेल, साबुन, शैंपू, बिस्किट और अन्य रोजमर्रा के उत्पाद महंगे होने लगते हैं। कई कंपनियां कीमतें बढ़ाने के बजाय पैकेट का आकार छोटा कर देती हैं, जिसे ह्यश्रिंकफ्लेशनह्ण कहा जाता है। इससे उपभोक्ताओं पर अप्रत्यक्ष रूप से बोझ बढ़ता है। खाद्य तेल की बात करें तो भारत अपनी जरूरत का लगभग 57 प्रतिशत आयात करता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने से इनके दाम भी 7 प्रतिशत तक बढ़ चुके हैं। वहीं प्लास्टिक और पैकेजिंग सामग्री महंगी होने से एफएमसीजी कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इसका असर सीधे उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है।

घरेलू उपकरणों के क्षेत्र में भी लागत में 10 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है। कंपनियां इसका बड़ा हिस्सा पहले ही ग्राहकों पर डाल चुकी हैं और आगे भी कीमतें बढ़ने की संभावना बनी हुई है। कपड़ा उद्योग में सिंथेटिक फाइबर की कीमतें 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं, जिससे कपड़ों के दाम भी बढ़ेंगे। पेंट उद्योग में भी लागत में वृद्धि के कारण 2 से 5 प्रतिशत तक कीमत बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। इस पूरी स्थिति का एक और महत्वपूर्ण पहलू देश का चालू खाता घाटा है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण भारत का चालू खाता घाटा बढ़ सकता है। अनुमान है कि 2026 की पहली तिमाही में यह 20 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यह देश की आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि देखी जा रही है। यूनाइटेड स्टेट में पेट्रोल की औसत कीमतें 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई हैं, जो पिछले कुछ वर्षों में एक महत्वपूर्ण स्तर माना जाता है। भारत के पड़ोसी देशों जैसे पाकिस्तान, नेपाल और श्रीलंका में भी ईंधन की कीमतों में वृद्धि की गई है। फिलहाल भारत में कीमतों को स्थिर रखा गया है, लेकिन यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहना मुश्किल है। जैसे ही चुनावी प्रक्रिया समाप्त होगी, कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही है। यदि ऐसा होता है तो इसका सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ेगा और महंगाई में और वृद्धि होगी। इस परिस्थिति में सरकार के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर कंपनियों के घाटे को कम करना जरूरी है, तो दूसरी ओर आम जनता को राहत देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसके लिए दीर्घकालिक समाधान की आवश्यकता है, जैसे वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों को बढ़ावा देना, आयात पर निर्भरता कम करना और ऊर्जा दक्षता में सुधार करना।

अंततः यह स्पष्ट है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि केवल एक आर्थिक मुद्दा नहीं है, बल्कि यह सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी रखती है। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और तेल कंपनियां इस चुनौती से कैसे निपटती हैं और आम जनता को कितनी राहत मिल पाती है।

लेकिन शहरी माओवाद पर कैसे लगे लगाम

उमेश चतुर्वेदी

बीते तीस मार्च को गृहमंत्री अमित शाह ने लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहे माओवादी और नक्सली आतंकवाद के खात्मे का औपचारिक अंत की घोषणा कर दी है। चाहे माओवाद हो या नक्सलवाद, दोनों ही धाराएं उग्रपंथी वामपंथ से प्रभावित रही हैं। इनका मानना रहा है कि सत्ता बंदूक की नली या बारूद से निकलती है। इसी विचारधारा के तहत इस वैचारिकी ने भारत के तकरीबन एक तिहाई जिलों पर अरसे तक कब्जा जमाए रखा। इस विचारधारा से प्रभावित लाल आतंक एक दौर में पशुपति से लेकर तिरूपति तक फैला हुआ था। लेकिन अब यह निस्तेज हो चुका है। ज्यादातर नक्सली या माओवादी लड़ाके या तो हथियार डाल कर मुख्यधारा की जिंदगी में वापस लौट गए हैं या फिर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में मारे गए हैं। लेकिन अब भी इस विचारधारा से प्रभावित एक वर्ग बचा हुआ है। जिसका सत्ता के प्रतिष्ठानों पर भले ही प्रभाव ना हो, लेकिन तंत्र पर उसका प्रभाव अब भी है। मार्च 2022 में जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के घाटी छोड़ने की पृष्ठभूमि पर एक फिल्म आई थी। ह्यद कश्मीर फाइल्सह्ण नामक इस फिल्म में एक संवाद है, सत्ता भले ही उनकी है, लेकिन सिस्टम अपना है। इस संवाद में जिस सिस्टम की ओर इशारा है, दरअसल तंत्र पर उसका ही प्रभाव है। कहना न होगा कि यह प्रभावी तबका वैसी ही उग्र वामपंथी विचारधारा से प्रभावित है, जिसके बारूदी रूख के अंत का ऐलान गृहमंत्री अमित शाह ने किया है। कभी दिल्ली विश्वविद्यालय में सक्रिय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिज्ञासु कार्यकर्ताओं ने इसे ह्यअर्बन नक्सलह्ण कहा था। अर्बन यानी शहरी नक्सल। याद कीजिए, छह अप्रैल 2010 की घटना, जब बस्तर में सीआरपीएफ के 74 जवानों को घेरकर नक्सलियों ने बारूदी सुरंगों के जरिए उड़ाकर मार डाला था। इस लोमहर्षक कार्रवाई भारतीय राष्ट्र राज्य पर अर्बन नक्सल समुदाय ने बड़ी जीत के रूप में देखा था। राजधानी दिल्ली में लाल गढ़ के रूप में विख्यात जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रों के एक समूह ने इस कार्रवाई पर खुलेआम खुशियां जताई थीं। तमाम विश्वविद्यालयों के वामपंथी प्रोफेसरों और छात्रों के एक समूह ने इस लोमहर्षक हत्या कांड को भारतीय राज व्यवस्था पर नक्सली जीत के रूप में लिया था। बस्तर की इस घटना के बाद तत्कालीन मनमोहन सरकार सकते में थी। उसने समानांतर सत्ता चला रहे नक्सली और माओवादी आतंकियों पर हवाई कार्रवाई करने का विचार शुरू कर दिया था। लेकिन शहरी इलाकों के वामपंथी बुद्धिजीवियों ने इसका विरोध शुरू किया। तंत्र में इनकी उपस्थिति कितनी प्रभावी है, इससे ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि मनमोहन सरकार ने नक्सली हिंसा का प्रभावी जवाब देने का विचार त्याग दिया था।

नक्सलवाद कहें या माओवाद या फिर वामपंथ की कोई अन्य धारा, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पत्रकारिता, स्वयंसेवी संगठनों, वकालत, अस्पतालों, प्रशासनिक व्यवस्था और कर्मचारीतंत्र में भी इनके प्रभावी लोग अब भी मिल जाएंगे। अरूंधती रॉय, हर्ष मंदर, प्रशांत भूषण जैसे प्रसिद्ध बुद्धिजीवी तो खुद ही मानते हैं कि वे इस विचारधारा से हैं।

तंत्र में इस विचारधारा के प्रभावी होने की शुरूआत 1969 में कांग्रेस के विभाजन से होती है। तब अपनी केंद्रीय सत्ता को बचाने के लिए इंदिरा गांधी को वामपंथी दलों के सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने सहयोग किया भी, बदले में शैक्षिक संस्थानों पर उनका प्रभाव बढ़ा। इसकी वजह यह रही कि इंदिरा सरकार ने शोध और शैक्षिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों को इन्हीं के हवाले कर दिया। इस विचारधारा ने अपने ही लोगों को इन संस्थानों में खूब भरा।

2014 में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार आई तो यह वैचारिकी पहले सकते में रही। बाद में इसने रणनीति और पैंतरा बदला। शुरू में तो इस विचारधारा ने कभी पश्चिम बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय में वैचारिकी आधारित आंदोलन छेड़ा तो कभी काशी हिंदू विश्वविद्यालय में लड़कियों से छेड़खानी के बहाने राष्ट्रवादी विचाराधारा को निशाने पर लेकर आंदोलन चलाया। हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित बेमुला के बहाने राष्ट्रवादी शासन व्यवस्था के दौरान कथित तौर पर दलितों और पिछड़ों के उत्पीड़न का आरोप लगाकर वैचारिक आंदोलन खड़ा किया। दो कृषि कानूनों के बदलाव के विरोध में लंबे समय तक चले किसान आंदोलन को भी इस वैचारिकी का खुला समर्थन रहा। टूल किट गिरोह इसी दौरान बेपर्दा हुए। नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देशभर के अल्पसंख्यकों को भड़काने और उन्हें आंदोलन में लाने के पीछे भी यही विचारधारा रही। इन आंदोलनों के लंबे समय तक चलने, इनके लिए लोगों के एकत्रित होने की वजह से अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहरी नक्सलियों का कितना बड़ा नेटवर्क है और कितनी गहराई तक उनकी पहुंच है।

मोदी सरकार के बाद राष्ट्रवादी विचारधारा को उम्मीद थी कि सत्ता केंद्रों और संस्थानों से इस विचारधारा की विदाई हो जाएगी। लेकिन अब भी यह विचारधारा प्रभावी तौर पर उपस्थित है। इस विचारधारा के कतिपय क्रांतिकारियों ने तो अब चोला तक बदल लिया है और मौजूदा सत्ता तंत्र में भागीदार भी बन चुके हैं। पत्रकारिता में अब भी इस विचारधारा के लोगों की भारी संख्या है। इसकी वजह से अब भी नैरेटिव का मायाजाल रचने में यह विचारधारा प्रभावी हो जाती है। नागरिक समाज में इस विचारधारा के लोग तभी पहचान में आते हैं, जब वे बहसों में हिस्सा लेते हैं या आंदोलनों में खुली भागीदारी करते हैं। अन्यथा समाज के सभी वर्गों की तरह इनको भी आसानी से सामान्य जन पहचान नहीं पाता। शहरी नक्सलवादियों की एक खासियत यह है कि वे खासा पढ़ते लिखते हैं। इसलिए बहसों में उनकी भागीदारी प्रभावी रहती है। लेकिन भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाना उन्हें सबसे प्रिय है। वैसे भारतीय शैक्षिक संस्थानों में एक सोच गहरे तक पैठी हुई है कि युवावस्था में जो वामपंथी नहीं हुआ, इसका अभिप्राय है कि उसमें कोई न कोई कमी है। इस सोच की बुनियाद और संस्थानों में अपनी प्रभावी उपस्थिति के चलते यह विचारधारा अक्सर युवाओं को प्रभावित कर लेती है। उसके आगोश में आने के बाद युवा भारतीयता, भारतीय मूल्य और सांस्कृतिक परंपराओं का माखौल उड़ाने लगता है, उसे पूजा-पाठ दकियानूसी लगने लगता है। हालांकि अल्पसंख्यकों के धार्मिक और सांस्कृतिक कलाप उसे प्रगतिशीलता की निशानी लगने लगते हैं। इस तरह समाज के बीच वे अपनी वैचारिक धारा को बनाए रखने के जतन में जुटे रहते हैं।

जंगलों, खेतों-खलिहानों और आदिवासी इलाकों में खून की होली खेलने, रेल की पटरियां उड़ाने, स्कूलों को उड़ाने वाली खूनी नक्सली और माओवादी विचारधारा के समर्थक और नेतृत्वकर्ता भले ही सुरक्षा बलों की कार्रवाई और समानांतर चलाई गई विकास योजनाओं के चलते खत्म हो गए हों या हथियार डाल दिए हों, लेकिन किताबों, बहसों और नैरेटिव के सहारे लड़ाई चलाने वाले माओवादी और नक्सली अब भी बाकी हैं और तंत्र में प्रभावी मौजूदगी भी रखते हैं। कहा जाता है कि विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं। उनके अनुयायियों की संख्या कम-ज्यादा जरूर हो सकती हैं। मौजूदा सामाजिक और राजनीतिक तंत्र ऐसा नहीं रहा कि हथियार के सहारे क्रांतियां कर ली जाएं और सत्ताएं बदल दी जाएं। ऐसा होता तो अमेरिका पूरी दुनिया पर राज कर रहा होता, क्योंकि उसकी सेना दुनिया की सबसे ताकतवर सेना है, उसके पास हथियारों का अकूत भंडार है। अब राजसत्ताओं को बारूद या बंदूक के जरिए नहीं बदला जा सकता। बारूद और बंदूक के सहारे सत्ता बदलने वाला तंत्र इसीलिए पस्त हो गया। लेकिन वैचारिक लड़ाई करने वालों को समानांतर खड़ा मजबूत वैचारिक तंत्र ही मात दे सकता है। दूसरी बात यह है कि वैचारिक तंत्र को जहां से खाद-पानी मिलता है, उस स्त्रोत को ही खत्म करके वैचारिकी को काबू में किया जा सकता है। वैचारिकी की बुनियाद पर जहर फैलाने वाले लोगों को सामाजिक तौर पर अलग-थलग करना भी इसे रोकने की रणनीति हो सकती है।

बिहार में संभावनाएं विकास की: अब सत्ता सम्राट की

ललित गर्ग

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया।

बिहार की राजनीति लंबे समय से बदलाव, प्रयोग और नेतृत्व के उतार-चढ़ाव का साक्षी रही है। ऐसे परिदृश्य में जब लंबे इंतजार और जटिल कूटनीतिक समीकरणों के बाद पहली बार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में शासन स्थापित होने की स्थिति बनती है और सम्राट चौधरी जैसे नेता मुख्यमंत्री के रूप में उभरते हैं, तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक संभावित राजनीतिक और प्रशासनिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह क्षण बिहार के लिए एक नए युग की शुरूआत के रूप में देखा जा रहा है, जहां अपेक्षाएं केवल शासन परिवर्तन की नहीं, बल्कि शासन की गुणवत्ता, दृष्टि और परिणामों की भी हैं। नये मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी के सामने न सिर्फ बिहार की जनता में एक कुशल प्रशासक की छाप छोड़ने की चुनौती है, बल्कि पार्टी की अपेक्षाओं एवं नीतीश कुमार द्वारा खींची रेखाओं से आगे निकलने के संघर्ष में भी उन्हें खरा उतरना होगा। सम्राट को उससे आगे ऐसा कुछ करना होगा, ताकि भाजपा उसके आधार पर भविष्य की दावेदारी पेश कर सके एवं अपने बल पर पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की पात्रता विकसित कर सके। बिहार में भाजपा का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है, सम्राट के भरोसे से।

सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री के रूप में चयन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। वे कोई अप्रत्याशित या अपरिचित चेहरा नहीं हैं। बिहार की राजनीति में सक्रिय रहते हुए, उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए और विभिन्न राजनीतिक धाराओं से गुजरते हुए उन्होंने राज्य की जटिलताओं को निकट से समझा है। उनकी राजनीतिक यात्रा उन्हें एक व्यावहारिक नेता के रूप में स्थापित करती है, जो केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन की वास्तविकताओं से भी जुड़ा हुआ है। यही कारण है कि उनके नेतृत्व से बिहार की जनता को एक ऐसे प्रशासन की उम्मीद है जो नीतिगत स्पष्टता के साथ-साथ क्रियान्वयन की क्षमता भी रखता हो। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि बिहार में नेतृत्व का मूल्यांकन केवल व्यक्ति के आधार पर नहीं, बल्कि उसकी नीतियों, प्राथमिकताओं और परिणामों के आधार पर होता है। पिछले वर्षों में यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से सामने आई है कि शासन की सफलता का निर्धारण केवल मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व से नहीं, बल्कि उस व्यापक नीति-ढांचे से होता है जो केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित करता है। भारतीय राजनीति में यह एक नया आयाम है, जहां केंद्र सरकार की नीतियां राज्यों के विकास की दिशा को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे राज्यों के उदाहरण इस बात को पुष्ट करते हैं कि अपेक्षाकृत कम चर्चित चेहरों के बावजूद विकास की गति तेज रह सकती है, यदि नीतिगत समर्थन और प्रशासनिक इच्छाशक्ति मजबूत हो।

बिहार के संदर्भ में यह पहलू और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह राज्य लंबे समय तक अवसंरचनात्मक पिछड़ेपन, बेरोजगारी, पलायन और सामाजिक विषमताओं से जूझता रहा है। ऐसे में सम्राट चौधरी के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वे इन जटिल समस्याओं के समाधान के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करें। केवल राजनीतिक स्थिरता पर्याप्त नहीं होगी, बल्कि उसे विकासात्मक स्थिरता में परिवर्तित करना होगा। सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत क्षेत्रों में निरंतर सुधार के साथ-साथ रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना होगा, ताकि बिहार के युवाओं को अपने ही राज्य में अवसर मिल सकें। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि बिहार के हालिया इतिहास में यदि किसी नेता ने प्रशासनिक सुधार और सुशासन की एक स्पष्ट छवि प्रस्तुत की है, तो वह नीतीश कुमार हैं। उन्होंने जिस समय सत्ता संभाली, उस समय बिहार 'जंगलराज' की छवि से जूझ रहा था। कानून-व्यवस्था की स्थिति दयनीय थी, अवसंरचना लगभग ध्वस्त थी और राज्य की छवि राष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक थी। ऐसे समय में नीतीश कुमार ने सड़क, बिजली और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। विशेष रूप से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइकिल योजना जैसी पहलें सामाजिक परिवर्तन का आधार बनीं। उन्होंने प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाने का प्रयास किया, जिससे शासन के प्रति जनता का विश्वास पुनः स्थापित हुआ।

नीतीश कुमार का व्यक्तित्व एक संतुलित, संयमित और व्यावहारिक नेता के रूप में उभरता है। वे आक्रामक राजनीति के बजाय संवाद और सहमति की राजनीति के पक्षधर रहे हैं। उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि उन्होंने राजनीति को व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठाकर विकास के एजेंडे से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों और गठबंधनों में बदलाव ने उनकी छवि को कुछ हद तक प्रभावित भी किया, लेकिन उनके द्वारा स्थापित प्रशासनिक मानक आज भी बिहार के लिए एक संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। सम्राट चौधरी के लिए यह एक बड़ी चुनौती और अवसर दोनों है कि वे इन स्थापित मानकों को न केवल बनाए रखें, बल्कि उन्हें और आगे बढ़ाएं। उन्हें यह समझना होगा कि बिहार की जनता अब केवल वादों से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अभी भी सुधार की व्यापक संभावनाएं हैं। सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता, उच्च शिक्षा के अवसर, अस्पतालों की स्थिति और चिकित्सकीय सुविधाओं का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं जहां ठोस कार्य की आवश्यकता है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार एक ऐसी समस्या है जो किसी भी विकासात्मक प्रयास को कमजोर कर सकती है। यदि सम्राट चौधरी वास्तव में एक प्रभावी और जनोन्मुखी शासन स्थापित करना चाहते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक स्तर पर भ्रष्टाचारमुक्त शासन, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। डिजिटल गवर्नेंस, ई-टेंडरिंग और निगरानी तंत्र को सशक्त बनाकर इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए जा सकते हैं।

महिला सशक्तिकरण भी बिहार के विकास का एक महत्वपूर्ण आयाम है। पिछले वर्षों में इस दिशा में कुछ सकारात्मक पहलें हुई हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए अनिवार्य है। यदि सम्राट चौधरी इस क्षेत्र में ठोस और नवाचारी कदम उठाते हैं, तो यह बिहार की प्रगति को एक नई दिशा दे सकता है। पलायन की समस्या भी बिहार के लिए एक स्थायी चुनौती रही है। लाखों लोग रोजगार की तलाश में अन्य राज्यों में जाते हैं, जिससे न केवल राज्य की श्रमशक्ति का क्षरण होता है, बल्कि सामाजिक संरचना पर भी प्रभाव पड़ता है। इस समस्या का समाधान केवल उद्योगों के विकास और स्थानीय रोजगार के अवसरों के सृजन से ही संभव है। कृषि आधारित उद्योग, लघु और मध्यम उद्योग तथा स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देकर इस दिशा में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

निश्चिततौर पर यह कहा जा सकता है कि बिहार आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहां अतीत के अनुभव, वर्तमान की अपेक्षाएं और भविष्य की संभावनाएं एक साथ उपस्थित हैं। सम्राट चौधरी के नेतृत्व में यह राज्य किस दिशा में आगे बढ़ेगा, यह उनके निर्णयों, नीतियों और कार्यशैली पर निर्भर करेगा। यदि वे नीतीश कुमार द्वारा स्थापित सुशासन के मानकों को आधार बनाते हुए नवाचार और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ आगे बढ़ते हैं, तो बिहार न केवल अपने पुराने कलंक से पूरी तरह मुक्त हो सकता है, बल्कि एक विकसित और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में भी उभर सकता है। यह समय केवल नेतृत्व परिवर्तन का नहीं, बल्कि सोच और दृष्टिकोण के परिवर्तन का है। बिहार की जनता अब जागरूक है, अपेक्षाएं स्पष्ट हैं और अवसर भी व्यापक हैं। ऐसे में सम्राट चौधरी के लिए यह आवश्यक है कि वे व्यक्ति-आधारित राजनीति से ऊपर उठकर नीतियों और परिणामों पर केंद्रित शासन प्रस्तुत करें। यदि वे ऐसा कर पाते हैं, तो न केवल वे अपने नेतृत्व को सिद्ध करेंगे, बल्कि बिहार को एक नई पहचान भी देंगे-एक ऐसे राज्य के रूप में जो संघर्ष से उबरकर सफलता की नई गाथा लिखने में सक्षम है।

संक्षिप्त समाचार

हैती में भारी बारिश से तबाही, 12 लोगों की मौत

पोर्ट-ऑ-प्रिंस, एजेंसी। हैती के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में लगातार हो रही भारी बारिश ने भारी नुकसान पहुंचाया है। इस आपदा में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए। बारिश के कारण 900 से ज्यादा घरों में पानी भर गया और एक अस्पताल भी डूब गया। कई सड़कों और एक पुल के टूट जाने से राहत कार्य प्रभावित हो रहा है। प्रभावित इलाकों में खाने-पीने की चीजों की भारी कमी हो गई है। हालात इतने खराब हैं कि कई जगह स्कूल और व्यापारिक गतिविधियां बंद करनी पड़ी हैं। पहले से ही खाद्य संकट झेल रहे देश के लिए यह आपदा और बड़ी चुनौती बन गई है।

अमेरिका में एशियाई उपनाम तेजी से बढ़े

वाशिंगटन, एजेंसी। यूएस सेंसस ब्यूरो की नई रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में एशियाई उपनाम सबसे तेजी से बढ़ रहे हैं। हालांकि, स्मिथ, जॉनसन, विलियम्स जैसे पारंपरिक नाम अब भी सबसे ज्यादा प्रचलित हैं, लेकिन झांग, लियू और वांग जैसे एशियाई उपनामों की संख्या तेजी से बढ़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक, एशियाई समुदाय अब अमेरिका की कुल आबादी का लगभग 7 प्रतिशत हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नामों का चुनाव संस्कृति और समाज से प्रभावित होता है। समय के साथ नए नामों का चलन बढ़ रहा है, जबकि पुराने नाम भी अपनी जगह बनाए हुए हैं।

नेपाल में नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया, प्रधानमंत्री ने लोगों को शुभकामनाएं दीं

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में मंगलवार को विक्रम संवत कैलेंडर के अनुसार नव वर्ष 2083 का स्वागत हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। बैसाख 1, जिसे बैसाख संक्रांति भी कहा जाता है, विक्रम संवत (बीएस) कैलेंडर के वर्ष परिवर्तन का प्रतीक है, जो सौर गति पर आधारित सबसे प्राचीन कैलेंडरों में से एक है। इस अवसर पर लोग मंदिरों में दर्शन करते हैं, भजन-कीर्तन करते हैं, सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित करते हैं और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह 'बालेन' ने इस अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं दीं। रैपर से राजनेता बने बालेन्द्र ने कहा, ''नव वर्ष 2083 के शुभारंभ के अवसर पर मैं सभी को सुख, शांति और समृद्धि की शुभकामनाएं देता हूं।'' राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने अपने नव वर्ष संदेश में देश के लोगों से साझा राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। 'हिमालयन टाइम्स' की रिपोर्ट के अनुसार उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव ने भी लोगों को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से नव वर्ष का उपयोग सकारात्मक सोच, अनुशासन और भाईचारे को बढ़ावा देने के अवसर के रूप में करने का आग्रह किया।

तुर्किये : हाई स्कूल में गोलीबारी 16 घायल

अंकारा, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी तुर्किये में मंगलवार को एक पूर्व छात्र ने गोलीबारी की, जिसमें 16 लोग घायल हो गए। शॉटगन से लैस 18 वर्षीय हमलावर ने सानलिउर्फा प्रांत के सिवेरेक स्थित व्यावसायिक हाई स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग की और फिर इमारत में छिप गया। बाद में उसने उसी शॉटगन से खुद को भी मार डाला।

घूसखोरी में चीनी रक्षा उद्योग के दिग्गज को 13 साल की जेल

बीजिंग, एजेंसी। चीन के रक्षा और ऑटो उद्योग के दिग्गज लियू वेइडोंग को रिश्वतखोरी के आरोप में 13 साल जेल की सजा सुनाई गई है। सरकारी शिन्हुआ के अनुसार, चाइना साउथ इंडस्ट्रीज ग्रुप के पूर्व उप महाप्रबंधक लियू ने 1999 से 2025 के बीच लगभग 41.4 मिलियन युआन (61 लाख डॉलर) की रिश्वत ली। अदालत ने पाया कि उन्होंने व्यावसायिक लाभ और पदोन्नति दिलाने के बदले कई लोगों और संगठनों से यह अवैध रकम ली थी। लियू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है।

खैबर पख्तूनख्वा में हिंदू विवाह अधिनियम में किया संशोधन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की सरकार ने हिंदू विवाह अधिनियम 2017 में महत्वपूर्ण संशोधन किया है। नए बदलाव के तहत अब जिला स्तर पर हिंदू विवाह रजिस्ट्रार नियुक्त किए जा सकेंगे। सरकार के मुताबिक, संशोधन का मुख्य उद्देश्य विवाह पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल और सुव्यवस्थित बनाना है। इससे हिंदू समुदाय को अपनी शादियों का पंजीकरण कराने में काफी आसानी होगी।

अमेरिका के बिना होर्मुज मिशन की योजना बना रहा है यूरोप; इस्राइल-लेबनान के बीच बातचीत

वाशिंगटन, एजेंसी। यूरोपीय देश अमेरिका और ईरान के बीच एक महीने से ज्यादा समय तक चले संघर्ष के बाद होर्मुज स्ट्रेट को लेकर एक योजना तैयार कर रहे हैं। यूरोपीय देश यह योजना होर्मुज स्ट्रेट से बिना अमेरिका के सीधे दखल के शिपिंग को सुरक्षित करने के लिए बना रहे हैं। ईरान-अमेरिका संघर्ष के दौरान ट्रांस-अटलांटिक संबंधों को नया रूप दिया है। बता दें, ट्रांस-अटलांटिक अमेरिका, कनाडा और यूरोपीय संघ के बीच एक रणनीतिक, सुरक्षा, राजनीतिक और आर्थिक साझेदारी है, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से विश्व व्यवस्था की आधारशिला माना जाता रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन और फ्रांस की अगुवाई में एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत लड़ाई समाप्त होने के बाद समुद्री मार्गों पर भरोसा बहाल करने के लिए एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाया जाएगा। अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि इस पहल में समुद्र में बिछी माइंस को हटाने के अभियान (माइन-क्लियरिंग ऑपरेशन) और नौसेना की तैनाती जैसे कदम शामिल होंगे। हालांकि, अमेरिका, इजरायल और ईरान जैसे सीधे तौर पर संघर्ष में शामिल देशों को इस गठबंधन से बाहर रखा जाएगा।

ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलवा नहीं : ईरान में स्थित विश्लेषक अबास असलानी ने कहा है कि ईरान की नीति में होर्मुज को लेकर कोई बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि ईरान ने अपनी स्थिति पहले जैसी ही बनाए रखी है और उसने जो नए नियम बनाए हैं, वे अमेरिका द्वारा लगाए गए नौसैनिक दबाव से पहले ही तैयार किए गए थे। असलानी के अनुसार, ईरान का मानना है कि युद्ध जैसी स्थिति में इन नए प्रोटोकॉल को लागू करना जरूरी है और यह उसके हित में है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका लगातार दबाव डाल रहा है ताकि ईरान अपनी नीतियों में बदलाव करे, लेकिन अब तक ईरान की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है कि वह अपनी स्थिति बदलने वाला है।

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के पास दो पाकिस्तानी तेल टैंकरों ने अचानक बदला रास्ता : स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे पाकिस्तानी झंडे वाले दो तेल टैंकरों ने अचानक 180 डिग्री घूमकर अपना रास्ता बदल लिया। ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, ये दोनों टैंकर पहले पूर्व दिशा में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन रविवार को उन्होंने दिशा बदलकर पश्चिम की तरफ वापस मुड़ गए। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पूरी तरह ईरान की सेना के नियंत्रण में है, और वहां से गुजरने के लिए जहाजों को ईरान से अनुमति और जरूरी कागजी प्रक्रिया पूरी करनी पड़ती है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज, जो पर्शियन गल्फ को गल्फ ऑफ ओमान और अरब सागर से जोड़ता है, दुनिया के सबसे अहम तेल रास्तों में से एक है। यहां से दुनिया का लगभग पांचवां हिस्सा तेल सप्लाई होता है। होर्मुज गतिरोध और अल नीनो से वैश्विक खाद्य संकट की आशंका संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने दुनिया को संभावित बड़े खाद्य संकट के प्रति आगाह किया है। उसने कहा, होर्मुज गतिरोध व जलवायु प्रभाव अल नीनो तथा बायोफ्यूल की ओर बढ़ता रुझान ऐसे हालात पैदा कर सकते हैं, जिसे परफेक्ट स्टॉर्म कहा जा रहा है। एफएओ ने चेताया, यह संकट कोविड-19 के बाद पैदा हालात से भी गंभीर होकर वैश्विक खाद्य आपूर्ति तथा कीमतों पर व्यापक असर डाल सकता है। होर्मुज से विश्व स्तर पर 20-45% अहम कृषि चीजें, उर्वरक गुजरते हैं। यदि यहां जारी गतिरोध जल्द खत्म नहीं हुआ तो उर्वरक और ऊर्जा की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिसका सीधा असर खेती और खाद्य उत्पादन पर पड़ेगा। एफएओ के मुख्य अर्थशास्त्री मैक्सिमो टोरेरो ने कहा, दुनिया इनपुट संकट की ओर है। यानी खेती संसाधन या तो महंगे हो रहे हैं अथवा उपलब्धता घट रही है। फसल उत्पादन और कीमतों पर आने वाला असर....एफएओ के अनुसार मार्च 2026 में खाद्य मूल्य सूचकांक अपेक्षाकृत स्थिर रहा क्योंकि अनाज समेत अधिकांश खाद्य वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता थी। लेकिन अप्रैल में हालात बिगड़ने लगे हैं और मई में यह और स्पष्ट होगा, क्योंकि किसान अपनी बुवाई का फैसला उपलब्ध उर्वरकों और लागत के आधार पर करेंगे। यदि उन्हें पर्याप्त संसाधन नहीं मिले तो 2026 और 2027 में फसल उत्पादन घट सकता है, जिससे खाद्य वस्तुओं की कीमतें और खुदरा महंगाई बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी सीनेटर ने ट्रंप से ओपीटी कार्यक्रम खत्म करने की अपील की, कहा- हमारे युवाओं के रोजगार पर पड़ रहा असर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में विदेशी छात्रों से जुड़े एक अहम वर्क परमिट कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज हो गई है। रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से 'ऑप्शनल प्रैक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी)' प्रोग्राम को खत्म करने की अपील की। उनका दावा है कि यह योजना अमेरिकी युवाओं के रोजगार पर असर डाल रही है और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा बन सकती है, खासकर चीन के संदर्भ में। सीनेटर स्कॉट ने राष्ट्रपति ट्रंप को लिखे पत्र में कहा कि यह कार्यक्रम तुरंत ध्यान देने वाला मुद्दा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी छात्रों को मिलने वाले ये वर्क परमिट न सिर्फ अमेरिकी ग्रेजुएट्स के नौकरी के अवसर कम करते हैं, बल्कि इनका दुरुपयोग भी हो रहा है। स्कॉट ने खासतौर पर चीन का जिक्र करते हुए कहा कि यह एक 'स्वयं घोषित दुश्मन देश' है, जो इस व्यवस्था का फायदा उठा सकता है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में युवा ग्रेजुएट्स की नौकरी की स्थिति पहले जैसी नहीं रही। पहले नए ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम लोगों से कम होती थी, लेकिन 2020 के बाद से यह स्थिति बदल गई है। खासकर एसटीईएम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स) क्षेत्र में हालात और चिंताजनक बताए गए हैं। उनके मुताबिक, कंप्यूटर इंजीनियरिंग ग्रेजुएट्स की बेरोजगारी दर आम दर से लगभग दोगुनी है, जबकि कंप्यूटर

साइंस ग्रेजुएट्स में यह 50 प्रतिशत ज्यादा है। सीनेटर रिक स्कॉट ने दावा किया कि ओपीटी प्रोग्राम इस समस्या को और बढ़ा रहा है। उनके अनुसार, इस समय 5 लाख से ज्यादा छात्र वीजा धारकों के पास ओपीटी वर्क परमिट हैं, जो उन्हें पढ़ाई के बाद भी अमेरिका में काम करने और अमेरिकी युवाओं से प्रतिस्पर्धा करने के मौके देता है। राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए सीनेटर स्कॉट ने कहा कि यह सिस्टम जासूसी और तकनीकी जानकारी के ट्रांसफर के लिए भी इस्तेमाल हो सकता है। उन्होंने बताया कि करीब 33,000 चीनी नागरिक एसटीईएम ओपीटी के तहत अमेरिका में काम कर रहे हैं, जिनमें से कई विश्वविद्यालयों और बड़ी टेक कंपनियों में काम करते हैं, जहां उन्हें संवेदनशील तकनीकी जानकारी तक पहुंच मिलती है। इसके अलावा, सीनेटर स्कॉट ने कहा कि ओपीटी प्रोग्राम का कोई स्पष्ट कानूनी आधार नहीं है और यह केवल नियमों के जरिए बनाया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एसटीईएम ओपीटी विस्तार, एच-1बी वीजा की सीमाओं को दरकिनार करने का एक तरीका है।

पाकिस्तान के एक अस्पताल में कई बार सिरिंज इस्तेमाल करने से 300 से ज्यादा बच्चे हुए एचआईवी पॉजिटिव

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के एक अस्पताल में सिरिंज के बार-बार उपयोग से 331 बच्चों में एचआईवी संक्रमण होने की सनसनीखेज खबर सामने आई है। एक तस्वीर में अस्पताल के स्टाफ द्वारा मल्टी-डोज वायल्स पर सिरिंज का पुनः उपयोग करने और बिना स्टेराइल दस्तानों के मरीजों को इंजेक्शन लगाने की घटना कैद हुई है। इसके बाद जांच में बच्चों की एचआईवी रिपोर्ट पॉजिटिव पाई गई है। मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रैक्टिस से जुड़े हो सकते हैं। बीबीसी न्यूज़ की एक गुप्त जांच ने पाकिस्तान के टीएचक्यू अस्पताल टौन्सा में संक्रमण नियंत्रण की गंभीर विफलताओं को उजागर किया है, जहां स्टाफ को बच्चों पर सिरिंज का पुनः उपयोग करते हुए दिखाया गया है। फुटेज में स्वच्छता मानकों का भी गंभीर उल्लंघन किए जाने और एक ही उपकरण (सिरिंज) का कई मरीजों पर पुनः उपयोग दिखाया गया, जो असुरक्षित चिकित्सा प्रथाओं से जुड़े एचआईवी संक्रमण का कारण बन रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एचआईवी संक्रमण के चलते आठ वर्षीय एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इसकी रिपोर्ट कुछ दिनों पहले ही पॉजिटिव पाई गई थी। बच्चे की माँ ने बताया कि मौत से पहले उसके आखिरी दिनों में बच्चे को तेज बुखार और तेज दर्द की पीड़ा झेलनी पड़ रही थी। कुछ समय बाद उस बच्चे की बहन भी एचआईवी पॉजिटिव पाई गई। परिवार का मानना है कि दोनों बच्चे सरकारी अस्पताल में रूटीन इलाज के दौरान दिए गए दूषित इंजेक्शन से वायरस की चपेट में आए। यह प्रकोप सबसे पहले दिसंबर 2024 के अंत में स्थानीय चिकित्सक डॉ. गुल कैसरानी के ध्यान में आया, जब उन्होंने अपने क्लिनिक आने वाले बच्चों में एचआईवी मामलों में असामान्य वृद्धि देखी। बीबीसी की जांच में नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 के बीच टौन्सा में कम से कम 331 बच्चों के एचआईवी पॉजिटिव पाए जाने की पुष्टि हुई। सबूतों से पता चलता है कि इनमें से कई संक्रमण असुरक्षित इंजेक्शन प्रथाओं से जुड़े हो सकते हैं। कई मामलों में एक ही वायल का इस्तेमाल अलग-अलग बच्चों के इलाज के लिए किया गया।

अंडमान सागर हादसा: शरणार्थियों को ले जा रहा जहाज पलटा, 250 लोगों के मरने की आशंका

ढाका, एजेंसी। अंडमान सागर में मंगलवार को रोहिंग्या शरणार्थियों और बांग्लादेशी नागरिकों समेत लगभग 250 लोगों को ले जा रहे एक जहाज के समुद्र में पलट जाने के बाद बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है.

संयुक्त राष्ट्र संघ हाई कमिश्नर फॉर रिफ्यूजी और इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर इस घटना पर 'गहरा दुख' जताया है. यह घटना ऐसे समय हुई जब यह इलाका बंगाली न्यू ईयर मना रहा है. खबर है कि दक्षिणी बांग्लादेश के टेकनाफ से निकला यह जहाज मलेशिया जा रहा था, जब तेज हवाओं और बहुत ज्यादा भीड़ की वजह से यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह दुखद घटना लंबे समय तक विस्थापन और रोहिंग्या के लिए पक्के समाधानों की कमी के भयानक नतीजों को दिखाती है. रखाइन राज्य

में जारी हिंसा ने जल्द ही सुरक्षित वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया है, जबकि मानवीय मदद में कमी, रिफ्यूजी कैंपों में रहने के मुश्किल हालात, और शिक्षा और रोज़ी-रोटी तक सीमित पहुंच रिफ्यूजी को सुरक्षा और मौके की तलाश में ऐसे खतरनाक समुद्री सफर करने पर मजबूर कर रही है. विदेश में बेहतर सैलरी का वादा और अक्सर स्मगलिंग नेटवर्क से फैलाई गई गलत जानकारी, लोगों, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों को बड़े रिस्क लेने पर मजबूर करती है. ये वजहें ऐसी स्थितियाँ बनाती हैं जिनमें स्मगलर और ट्रैफिकर कमज़ोरियों का फायदा उठा सकते हैं, जिससे जान को बड़ा खतरा हो सकता है. बयान में कहा गया, 'अंडमान सागर इन खतरनाक यात्राओं पर जाने वाले लोगों की जान लेता रहता है.' एजेंसियों ने आगे जोर दिया कि माना जा रहा है कि लापता यात्रियों में परिवार, महिलाएँ और बच्चे शामिल हैं, जो इस इलाके में बेघर समुदायों के सामने बढ़ते मानवीय संकट को दिखाता है. उन्होंने बताया कि इसमें शामिल बहुत ज़्यादा खतरों के बारे में बार-बार चेतावनी दिए जाने के बावजूद इस तरह के समुद्री क्रॉसिंग बहुत आम हो गए हैं. बयान में आगे कहा गया, 'हम अंततराष्ट्रीय समुदाय से अपील करते हैं कि वे बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए जान बचाने वाली मदद और बांग्लादेशी होस्ट कम्युनिटी की मदद के लिए एकजुटता दिखाएं और फंडिंग बनाए रखें. जैसे ही बांग्लादेश अपना नया साल मना रहा है, यह दुखद घटना म्यांमार में विस्थापन के असली कारणों को दूर करने और ऐसे हालात बनाने की तुरंत जरूरत की याद दिलाती है, जिससे रोहिंग्या शरणार्थी अपनी मर्ज़ी से सुरक्षित और इज्जत के साथ घर लौट सकें.' इसमें आगे चेतावनी दी गई, 'सब मिलकर काम किए बिना, समुद्र में और खतरनाक रास्तों से गुजरते हुए और भी जानें जाएंगी.' 2017 में म्यांमार में हिंसा के बाद बढ़े रोहिंग्या संकट के कारण बड़े पैमाने पर विस्थापन हुआ है।

ईरान के साथ जंग के बीच चीन को भी संदेश! फिलीपींस के साथ बड़ा युद्धाभ्यास करेगा अमेरिका

मनीला, एजेंसी। एशिया में अपनी मजबूत मौजूदगी दिखाने के लिए अमेरिका और फिलीपींस के बीच इस साल एक बड़ा संयुक्त सैन्य अभ्यास आयोजित किया जा रहा है। अमेरिकी सेना के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि इस अभ्यास में दोनों देशों के 17,000 से ज्यादा सैनिक हिस्सा लेंगे। माना जा रहा है कि अमेरिका इस सैन्य अभ्यास के जरिए इलाके का चौधरी बनने की कोशिश कर रहे चीन को भी संदेश देने की कोशिश कर रहा है। यह युद्धाभ्यास 20 अप्रैल से 8 मई तक चलेगा और इसे 'बालिकातन' नाम दिया गया है जिसका मतलब है 'कंधे से कंधा मिलाकर'। एक्सपर्ट्स का मानना

है कि यह अभ्यास सीधे तौर पर क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों के बीच एक मजबूत संदेश है। इस दौरान जापान की सेना भी शामिल होगी और फिलीपींस के उत्तर-पश्चिमी समुद्री इलाके में एक जहाज को मिसाइल से डुबाने का अभ्यास करेगी। यह इलाका विवादित दक्षिण चीन सागर के करीब है, जहां चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर अपना दावा करता है। फिलीपींस, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री इलाके पर दावा करते हैं, लेकिन हाल के वर्षों में चीन और फिलीपींस के बीच टकराव तेजी से बढ़ा है। बीते कुछ सालों में कई बार दोनों देशों के जहाज आमने-सामने आ चुके हैं। इस बार के अभ्यास में फ्रांस और कनाडा की सेनाएं भी शामिल होंगी, जिससे यह साफ संकेत मिलता है कि चीन के खिलाफ क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहयोग बढ़ रहा है। अमेरिकी सेना के प्रवक्ता कर्नल रॉबर्ट बन्न ने कहा, 'हमारा संदेश साफ है, हम अपने सहयोगियों और क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि अभ्यास में ड्रोन हमलों से निपटने की तैयारी भी शामिल होगी। हालांकि, चीन पहले भी इस तरह के सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है, खासकर तब जब उसमें अमेरिका शामिल होता है। चीन का कहना है कि ऐसे अभ्यास क्षेत्र में तनाव बढ़ाते हैं।

यूके में भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट बर्खास्त

लंदन, एजेंसी। यूके में एक भारतीय मूल की स्पीच एंड लैंग्वेज थेरेपिस्ट साई कीर्तना श्रीपेरंबुदुरु को अंग्रेजी ठीक से न समझ पाने और आवेदन में गलत जानकारी देने के आरोप में नौकरी से निकाल दिया गया। कारण यह रहा कि वह मरीजों और सहकर्मियों की बात ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। यह मामला जून 2024 का हो, लेकिन इसकी जानकारी अब सामने आई है। कीर्तना ने अक्टूबर 2023 में यॉर्क एंड स्कारबरो टीचिंग हॉस्पिटल्स हॣस्ट्रस्ट जॉइन किया था। जॉइनिंग के कुछ ही समय बाद सहकर्मियों को पता चला कि वह मरीजों और स्टाफ की अंग्रेजी ठीक से समझ नहीं पा रही थीं। स्पीच थेरेपिस्ट होने के बावजूद उन्हें उच्चारण, व्याकरण और बातचीत समझने में समस्या थी। अंततः जून 2024 में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं।

अंग्रेजी फर्स्ट लैंग्वेज का दावा गलत निकला : आवेदन में कीर्तना ने अंग्रेजी को अपनी पहली भाषा बताया था, लेकिन बाद में रिव्यू मीटिंग में स्वीकार किया कि उनकी मातृभाषा तेलुगु है। बाद में दिसंबर में उन्होंने बताया कि वह नौकरी के साथ-साथ अंग्रेजी सुधारने के लिए क्लास भी ले रही थीं। इस मामले में एक और अहम बात सामने आई कि नौकरी के आवेदन में उन्होंने अंग्रेजी को अपनी 'फर्स्ट लैंग्वेज' बताया था। जबकि फॉर्म के नियमों के अनुसार, 'फर्स्ट लैंग्वेज' वही मानी जाती है जो व्यक्ति रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे ज्यादा इस्तेमाल करता हो। केवल अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई करना इसे पहली भाषा नहीं बनाता।

आमने-सामने की बातचीत से बचना चाहती थी कीर्तना कीर्तना के मैनेजर ने यह भी बताया कि इंटरव्यू के दौरान उसने चैट बॉक्स के जरिए सवाल पूछने का अनुरोध किया था, यानी आमने-सामने बातचीत से बचना चाहती थीं। इसे असामान्य माना गया, खासकर इसलिए क्योंकि वह उस समय यूके में ही रह रही थीं। अस्पताल ट्रस्ट के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि साई कीर्तना अक्टूबर 2023 से जून 2024 तक काम पर थीं और जून में उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गईं। कीर्तना ने इस फैसले को चुनौती दी और कहा कि उनकी पढ़ाई अंग्रेजी में हुई है, इसलिए इसे उनकी पहली भाषा माना जाना चाहिए। लेकिन पैनल ने इस तर्क को नहीं माना। पैनल का कहना था कि उन्होंने नौकरी पाने के लिए गलत जानकारी दी और यह धोखा देने की कोशिश थी। इसके बाद उन्हें रजिस्टर से हटा दिया गया। ट्रिब्यूनल ने क्या कहा आवेदन फॉर्म में साफ लिखा होता है कि 'क्या अंग्रेजी आपकी पहली भाषा है?' इसका जवाब 'हां' तभी देना चाहिए, जब अंग्रेजी आपकी रोजमर्रा की मुख्य भाषा हो। सिर्फ अंग्रेजी में पढ़ाई करने से यह पहली भाषा नहीं मानी जाती। डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, साई कीर्तना का कहना था कि उन्हें सच में लगता था कि उनकी शिक्षा और पेशेवर काम के संदर्भ में अंग्रेजी को उनकी पहली भाषा माना जा सकता है।

सुपर टाइफून सिनलाकू ने अमेरिका के दूरस्थ द्वीपों पर मचाई तबाही, 240 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से चली हवाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रशांत महासागर में उमड़े सुपर टाइफून ने अमेरिका के दो दूरस्थ द्वीपों पर भयंकर तबाही मचाई है। तेज हवाओं और लगातार बारिश के चलते इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। तेज टाइफून के चलते टिन की छतें उड़ गईं और निवासियों को हवा में उड़ते पेड़ों की डालियों से बचने के लिए सुरक्षित ठिकानों पर आश्रय लेना पड़ा। सुपर टाइफून सिनलाकु ने बुधवार को सुबह होने से पहले कई घंटों तक उत्तरी मारियाना द्वीप समूह पर हमला किया। यह धीमा होकर भी टिनियन और सैपान द्वीपों पर ज्यादा नुकसान पहुंचाता रहा। इन द्वीपों पर लगभग 50,000 लोग रहते हैं।

कमजोर घरों और पेड़ों को उड़ा ले गया सुपर टाइफून : सैपान में पले-बढ़े ग्लेन हंटर ने कहा, 'मेरा अनुमान है कि जो भी लकड़ी और टिन से बना था, वह इस तूफान में नहीं बच पाया।' उन्होंने अपनी आंखों के सामने कम से कम तीन टिन की छतें अपने आंगन से उड़कर जाते देखीं। कई टाइफून झेल चुके हंटर ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि यह अब तक का सबसे शक्तिशाली टाइफून लग रहा था। उन्होंने कहा कि बारिश उनके कंक्रीट के घर की हर दरार से अंदर घुस रही थी। यह हार का खेल हो गया था क्योंकि बारिश हर तरफ से आ रही थी। हर घर पानी से भर गया है।

इस साल धरती का सबसे शक्तिशाली टाइफून : राष्ट्रीय मौसम सेवा के अनुसार यह इस साल पृथ्वी पर सबसे शक्तिशाली यह उष्णकटिबंधीय टाइफून था, जो द्वीपों पर टकराते समय 150 मील प्रति घंटा (240 किलोमीटर प्रति घंटा) तक की निरंतर हवाएं लेकर आया था। मौसम सेवा ने बताया कि ट्रॉपिकल फोर्स हवाओं और भारी बारिश के कारण दक्षिण में स्थित अमेरिकी क्षेत्र गुआम में भी अचानक बाढ़ आ गई। गुआम पर अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं और वहां लगभग 1,70,000 लोग रहते हैं। बुधवार तड़के मारियाना द्वीपों पर हवा की रफ्तार कुछ कम

हुई, लेकिन हालात तुरंत नहीं सुधरे। सैपान के मेयर रामोन 'आरबी' जोस ब्लास कामाचो ने मंगलवार देर रात कहा, 'यह हम पर बहुत जोरदार हमला कर रहा है। इस भारी बारिश और तेज हवाओं में लोगों को बचाना हमारे लिए बेहद मुश्किल है। चारों तरफ चीजें उड़ रही हैं।' उन्होंने बताया कि पेड़ उखड़ गए और लकड़ी व टिन की संरचनाएं ढह गईं। वे अपने ऑफिस के शीशे के दरवाजे को चिंता से देख रहे थे।

मौसम वैज्ञानिक ने दी बड़ी चेतावनी : मौसम वैज्ञानिक लैंडन एडलेट ने कहा, 'टिनियन और सैपान के किसी भी व्यक्ति के लिए यह आसान रात नहीं होने वाली। यह बहुत शोर भरी रात होगी।' फेसबुक पर लाइव प्रसारण में उन्होंने कहा कि कई लोग 'सुबह उठकर एक अलग द्वीप देखेंगे। 'सैपान उत्तरी मारियाना द्वीप समूह का सबसे बड़ा द्वीप और उसकी राजधानी भी है। यह रिसॉर्ट्स, स्नॉर्कलिंग और गोल्फ के लिए प्रसिद्ध है। तूफान का सबसे बुरा असर रात के अंधेरे में पड़ा और बुधवार सुबह तक कई घंटों तक जारी रहने की उम्मीद थी। अगले कुछ दिनों में यह थोड़ा कमजोर होने की उम्मीद है, लेकिन सिनलाकु द्वीपों को पार करते समय कैटेगरी 4 टाइफून के रूप में था। 2023 में टाइफून मावर ने मारियाना द्वीप और गुआम में कई दिनों तक बिजली गुल कर दी थी, अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने कर्मचारियों को अपने स्थान पर शरण लेने की चेतावनी दी है। गुआम पर अमेरिकी सेना लगभग एक-तिहाई जमीन नियंत्रित करती है और यह प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी बलों का महत्वपूर्ण केंद्र है। गुआम स्थित मौसम सेवा स्टेशन से एडलेट ने बताया कि टाइफून उत्तरी मारियानास की ओर मुड़ने से पहले माइक्रोनीशिया के संघीय राज्य के चूक द्वीप समूह के बाहरी द्वीपों और एटॉल्स को काफी नुकसान पहुंचा चुका था। स्थानीय लोग इस क्षेत्र को 'टाइफून एली' कहते हैं।

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।
सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ठुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।
गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।
कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फ्रूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइर्टिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं
एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

एक नजर

सुचारु बिजली आपूर्ति के लिए सिमली सब स्टेशन में लगे अतिरिक्त ट्रांसफार्मर

चमोली। सिमली विद्युत सब स्टेशन में 3 नए अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं। नए ट्रांसफार्मर को कर्णप्रयाग, ज्योतिर्मठ और गोपेश्वर सब डिवीजन से जोड़ा गया है। नए ट्रांसफार्मर लगने से चारधाम यात्रा के दौरान बदरीनाथ, हेमकुंड, सीमांत क्षेत्रों के वाइब्रेंट विलेज और सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों की अग्रिम चौकियों तक सुचारु बिजली मिल सकेगी। श्रीनगर से 60 किमी तक 66 केवी की बिजली लाइन कर्णप्रयाग विद्युत सब स्टेशन को जोड़ती है जबकि 132 केवी की 70 किमी लंबी लाइन सिमली स्थित सब स्टेशन को जोड़ती है। वहीं 66 केवी की 126 किमी लंबी लाइन श्रीनगर से बदरीनाथ तक जाती है। ऐसे में यात्रा शुरू होने के साथ 126 किमी लंबी बिजली लाइन पर दबाव बढ़ जाता है। कई बार लो वोल्टेज की भी समस्या रहती है। ऐसे में सिमली में स्थित 132 केवी के विद्युत सब स्टेशन में 3x20 एमवीए क्षमता के तीन नए ट्रांसफार्मर लगाए गए हैं जिन्हें 66 केवी कर्णप्रयाग विद्युत सब स्टेशन और 120 किमी श्रीनगर बदरीनाथ विद्युत लाइन से जोड़ दिया गया है। वहीं ऊर्जा निगम गोपेश्वर के अधिशासी अभियंता प्रदीप कुमार ने बताया कि परियोजना से चारधाम यात्रा के दौरान बिजली आपूर्ति सुचारु रहेगी। साथ ही लो वोल्टेज की दिक्कत भी नहीं होगी।

ग्रीन कार्ड बनने शुरू, 150 से अधिक वाहनों की हुई जांच

चमोली। परिवहन विभाग की ओर से चारधाम यात्रा के लिए ग्रीन कार्ड बनाने का काम शुरू कर दिया है। विभाग की ओर से करीब 150 से अधिक वाहनों की जांच की गई। चालकों की सुविधा के लिए अलग काउंटर लगाया गया है जिससे वह आसानी से ग्रीन कार्ड बना सकें। चारधाम यात्रा के लिए सरकार की ओर से व्यावसायिक वाहनों के ग्रीन कार्ड अनिवार्य किया गया है। इसके तहत वाहनों की फिटनेस और जरूरी दस्तावेज आदि की जांच की जाती है। परिवहन विभाग के तकनीकी क्षेत्रीय निरीक्षक विकास कुमार का कहना है कि व्यावसायिक वाहनों की भौतिक और तकनीकी जांच की जा रही है। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही ग्रीन कार्ड लागू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान वाहनों में फर्स्ट ऐड बॉक्स, कूड़ादान, अग्निशमन यंत्र आदि रखना अनिवार्य है। इस दौरान चालकों को सुरक्षित यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। संभागीय परिवहन अधिकारी अभिषेक भट्गांई ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान वाहन चालक यात्रियों से बेहतर संवाद करें जिससे प्रदेश से एक अच्छा संदेश यात्रियों तक पहुंच सके।

शादियों के सीजन से बढ़ा कारोबार, व्यापारियों में खुशी

चमोली। शादियों के सीजन के कारण बाजारों में एक बार फिर से रौनक लौट आई है। लंबे समय की बाद बाजारों में फल, सब्जी, राशन आदि की दुकानों में अच्छी खरीदारी हो रही है जिससे व्यापारी भी खुश नजर आ रहे हैं। बैसाखी के पर्व से शादियों का सीजन शुरू हो गया है। इस माह शादियों के कई लगन हैं जिससे बाजारों में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ हो रही है। व्यापारी गगन अरोड़ा ने बताया कि शादियों के सीजन में पार्लर, सौंदर्य, माला, कॉस्मेटिक आदि का काम बढ़ गया है। स्टाफ में भी बढ़ोतरी की गई है। फोटोग्राफर अनूप सिंह कठैत ने बताया कि सभी लगन के दिन की बुकिंग फुल है। फल और सब्जी विक्रेता जावेद ने बताया कि शादियों के लिए फल और सब्जी के लिए एडवांस बुकिंग हो रही है। कपड़ा विक्रेता अमित मैखुरी ने बताया कि बाजार लंबे समय से मंदी से जूझ रहा था। कुछ दिनों से बाजारों में रौनक है।

सीडीएस ने किया सूर्य देवभूमि चैलेंज का उद्घाटन

चमोली। सीमांत गांवों में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय सेना की ओर से सूर्य देवभूमि चैलेंज 2.0 का आयोजन किया गया। बृहस्पतिवार को भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सूर्य देवभूमि चैलेंज का बदरीनाथ धाम में शुभारंभ किया। प्रतियोगिता में 300 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इस दौरान महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। विभिन्न राज्यों से प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले एथलीट धाम पहुंचे और सभी की मेडिकल जांच की गई। सभी प्रतिभागी शुक्रवार को हेलंग से कलगोठ के लिए रवाना होंगे। अगले दिन वहां से मंडल और मंडल से ऊखीमठ होते हुए श्रीनगर में प्रतियोगिता का समापन होगा। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी पंच केदारों में तीन केदार कल्पेश्वर, रुद्रनाथ और तुंगनाथ क्षेत्र से होकर गुजरेंगे। शुभ्रमागो, वेदई और राहुल शर्मा का कहना है कि प्रतियोगिता को लेकर उत्साहित हैं। उच्च हिमालयी क्षेत्र में इस तरह की प्रतियोगिता अपने आप में बड़ा चैलेंज है।

माणा में सांस्कृतिक व विरासत संग्रहालय का शिलान्यास

चमोली। माणा में सेना की ओर से तैयार किया जा रहा सांस्कृतिक एवं विरासत संग्रहालय का सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शिलान्यास किया। इस संग्रहालय में गढ़वाल की महत्वपूर्ण जानकारियां होंगी। सेना की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि भारत के प्रथम गांव में माणा संग्रहालय बनाने का उद्देश्य भावी पीढ़ी के लिए शानदार विरासत को संरक्षित करना है। यह संग्रहालय आधुनिक और जीवंत केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां गढ़वाल की सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक परंपराएं और ऐतिहासिक विकास को प्रदर्शित किया जाएगा। गढ़वाल क्षेत्र के लोगों के भारतीय सशस्त्र बलों में दिए महत्वपूर्ण योगदान को भी दर्शाया जाएगा। स्थानीय विकास में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण योगदान देगी।

अनुराग रावत बने मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष

श्रीनगर गढ़वाल। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान श्रीनगर में बृहस्पतिवार को प्रशिक्षण एवं सेवायोजन मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ जनपद पौड़ी गढ़वाल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नई जिला कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। चुनाव अधिकारी ओमप्रकाश नौटियाल की देखरेख में हुए चुनाव में अनुराग सिंह रावत को निर्विरोध जिलाध्यक्ष तथा संदीप सिंह चौहान को महामंत्री चुना गया। इन दोनों नामों का प्रस्ताव क्रमशः रवीन्द्र सिंह रावत और अशोक कुमार की ओर से रखा गया जिसे सभी कर्मचारियों ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया।

सेना का वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिरा, दो जवान घायल

चमोली। चोपता से मंडल की ओर आ रहा सेना का वाहन अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरा। वाहन में सवार सेना के दो जवान घायल हो गए। क्षेत्र में नेटवर्क नहीं होने के कारण किसी को फोन भी नहीं किया जा सका। स्थानीय लोगों ने घायलों को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया फिर जिला अस्पताल लाए। एक गंभीर घायल को सेना के हेलिकॉप्टर से हायर सेंटर रेफर किया गया। सेना की ओर से सूर्य देवभूमि चैलेंज का आयोजन किया जा रहा है। प्रतिभागी मंडल होते हुए चोपता के रास्ते ऊखीमठ जाएंगे। इस क्षेत्र में नेटवर्क की व्यवस्था करने के लिए सेना की सिग्नल कंपनी काम कर रही है। बृहस्पतिवार को चोपता से कुछ सामान लेने के लिए सेना के दो जवान वाहन से मंडल जा रहे थे। मंडल से करीब 12 किमी पीछे दिलो बैंड के पास तीव्र ढलान पर वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गया। इस सड़क पर वाहनों की आवाजाही भी सीमित होती है और यहां नेटवर्क भी नहीं है। ऐसे में घायल जवान काफी देर तक वहीं पड़े रहे। इसी दौरान कुछ लोग चोपता की तरफ से गोपेश्वर आ रहे थे। प्रदीप रमोला ने बताया कि सड़क का पुश्ता टूटा हुआ दिखा तो गाड़ी रोक दी। वहां करीब 30 मीटर नीचे सेना का वाहन गिरा हुआ था। तुरंत नीचे गए और दोनों घायल जवानों को सड़क तक पहुंचाया। नेटवर्क नहीं होने से एंबुलेंस को भी फोन नहीं कर पाए। उनके साथ में राहुल रमोला, विक्रम व अजय पंवार ने भी जवानों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। जिला अस्पताल में घायल जवान जाबाज सिंह (29) पुत्र जय भगवान सिंह जिला भिवानी, हरियाणा और धवन सिंह (23) को उपचार शुरू किया गया। धवन सिंह के सिर पर गंभीर चोट होने के कारण उन्हें सेना के हेलीकॉप्टर से हायर सेंटर रेफर किया गया। सूचना मिलने पर सेना के अन्य जवान भी अस्पताल पहुंचे।

एक व्यक्ति ने नदी में लगाई छलांग, नहीं बची जान

चमोली। अलकनंदा और पिंडर नदी के संगम तट से एक व्यक्ति ने नदी में छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की मदद से व्यक्ति को नदी से बाहर लाया गया। इसके बाद स्थानीय लोगों, पुलिस और मेडिकल की टीम ने व्यक्ति को सीपीआर दिया लेकिन उसकी जान नहीं बच पाई। बृहस्पतिवार को करीब 11 बजे भोपाल नेगी निवासी खैनोली नारायणबागड़ ने अचानक संगम तट से नदी में छलांग लगा दी। कुछ देर बाद वह धीरे–धीरे नदी किनारे आने लगा तो पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गणेश सारस्वत, भुवन सिरस्वाल, अंकित सिंह, गौरव पोस्ती, हरीश पंवार, संतोष आदि ने एक दूसरे का हाथ पकड़कर व्यक्ति को नदी से निकाला। मौके पर पहुंची पुलिस और चिकित्सकों और अन्य लोगों ने व्यक्ति को सीपीआर देकर शरीर में घुसे पानी को निकालने का प्रयास किया। बाद में पुलिस ने उसे एंबुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल ने कहा कि मृतक के परिजनों के आने के बाद अन्य कार्रवाई की जाएगी।

23 तक सड़क निर्माण पर कोई निर्णय नहीं हुआ तो करेंगे चक्काजाम

चमोली। चमोली जिले का सबसे दूरस्थ गांव डुमक आज भी सड़क सुविधा से वंचित है। ऐसे में ग्रामीणों को आज भी 8 किमी की पैदल दूरी तय करनी पड़ रही है। शासन–प्रशासन के आश्वासनों के बाद भी सड़क निर्माण न होने पर ग्रामीणों ने चेतावनी दी यदि 23 अप्रैल तक सड़क निर्माण पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो वे चारधाम यात्रा के दौरान हेलंग में चक्का जाम करेंगे। ग्राम प्रधान राजेंद्र सिंह के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने देहरादून में मुख्य सचिव से भेंटकर उन्हें समस्या बताई। उन्होंने कहा कि सैंजी लग्गा मैकोट–बेमरू–डुमक–कलगोठ (32 किमी) सड़क का कार्य भूस्खलन क्षेत्र का हवाला देकर स्यूंण में रोक दिया गया है। दिसंबर 2024 में एक माह के आंदोलन के बाद काम शुरू हुआ था लेकिन काम फिर बंद कर दिया गया। ऐसे में ग्रामीणों को आज भी करीब आठ किमी पैदल चलकर कलगोठ आना पड़ता है। वहां से गोपेश्वर आने के लिए सड़क मार्ग से दूरी करीब 80 किमी है। उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव ने उन्हें मांग पर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

प्रतिनिधिमंडल में युवक मंगल दल अध्यक्ष अनुरोध सनवाल व क्षेत्र पंचायत सदस्य विवेक रावत भी शामिल रहे। बकाया भुगतान के लिए भेजा पत्रः उत्तराखंड ग्रामीण सड़क अभिकरण के मुख्य अभियंता की ओर से ग्राम्य विकास विभाग के अनु सचिव को इस मार्ग के बकाया भुगतान राशि जारी कराने के लिए पत्र भेजा गया है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए आज से भरे जाएंगे फॉर्म

श्रीनगर गढ़वाल। एचएनबी गढ़वाल विवि ने शैक्षणिक सत्र 2025–26 के लिए पीएचडी कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके तहत पीएचडी प्रवेश परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 17 अप्रैल से शुरू होगी। 1 मई तक आवेदन फार्म भरने की तिथि निर्धारित की गई है। छात्र समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. वाईपी रैवानी ने इस संदर्भ में नोटिफिकेशन जारी किया है। उन्होंने बताया कि प्रवेश परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड 12 मई से डाउनलोड किए जा सकेंगे जबकि परीक्षा 17 मई को होगी। विवि ने स्पष्ट किया है कि जो अभ्यर्थी पूर्व में जारी अधिसूचना के तहत आवेदन कर चुके हैं उन्हें पुनः आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। परीक्षा की अवधि दो घंटे होगी। प्रवेश परीक्षा में सामान्य वर्ग के लिए न्यूनतम 50 प्रतिशत तथा आरक्षित वर्ग के लिए 45 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए हैं। सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा जहां उनके शोध प्रस्ताव और योग्यता का मूल्यांकन किया जाएगा। आवेदन शुल्क सामान्य, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 700 रुपये तथा एससी, एसटी एवं दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए 350 रुपये निर्धारित है। परीक्षा केंद्रों के लिए चार शहर श्रीनगर, टिहरी, देहरादून एवं दिल्ली निर्धारित किए गए हैं। विवि ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त संख्या में आवेदन प्राप्त नहीं होते हैं तो विवि को उस केंद्र को निरस्त करने तथा संबंधित अभ्यर्थियों को अन्य केंद्र पर स्थानांतरित करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। सम सेमेस्टर परीक्षा फॉर्म भरने का दिया अंतिम मौकाः गढ़वाल विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर 2025–26 के उन छात्र–छात्राओं को परीक्षा आवेदन फार्म भरने का एक मौका दिया है जो किसी कारणवश परीक्षा आवेदनपत्र भरने से वंचित रह गए थे।

भौसाल गांव में पेयजल संकट, विधायक से लगाई गुहार

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि ब्लॉक की ग्राम पंचायत भौसाल में पेयजल संकट को लेकर ग्रामीणों ने बृहस्पतिवार को केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल से मिलकर समस्या समाधान की मांग की है। ग्राम प्रधान धर्मेंद्र लाल ने कहा कि गांव में कई वर्षों से पेयजल की समस्या बनी है जिससे गर्मियों में स्थिति और विकट हो जाती है। उपचुनाव के दौरान भी इस समस्या को लेकर पत्र दिया गया था और समाधान का आश्वासन मिला था। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत ग्राम मालपानी दोगाड़ गदेरे से जल स्रोत की स्वीकृति मिल चुकी है लेकिन अभी तक इस योजना से गांव को नहीं जोड़ा गया है। ग्राम प्रधान ने विधायक से शीघ्र पेयजल योजना शुरू कर गांव को राहत दिलाने की मांग की। वहीं विधायक ने मौके पर विभागीय अधिकारियों से वार्ता कर समय से ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने के लिए कहा।

सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक है बिस्सू मेला

उत्तरकाशी। बंगाण व पर्वत क्षेत्र के गांव–गांव में इन दिनों पौराणिक सांस्कृतिक विरासत और आस्था का प्रतीक बिस्सू मेला पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बैसाखी पर्व के साथ शुरू हुआ यह मेला आराकोट बंगाण के भुटाणु, जाकटा, चींवा और ढ़ड़ियार सहित कई गांवों में मनाया जा रहा है। इसके अलावा बिस्सू मेला मोरी पर्वत क्षेत्र के लिवाड़ी, फिताड़ी, सट्टा, पुजेली, दौणी, खंयासणी व जखोल गांवों में स्थित महासू महाराज, सोमेश्वर महाराज और शिड़कुडिया महाराज के मंदिर परिसरों में एक सप्ताह तक भव्य रूप में आयोजित होगा। मेले के दौरान पारंपरिक रीति–रिवाजों के तहत गांव और पट्टी के साठी व पासांई दोनों तोक के बीच धनुष–बाण से प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती है। प्रतियोगिता केवल खेल नहीं बल्कि क्षेत्र की खुशहाली, समृद्धि और लोक संस्कृति के संरक्षण का प्रतीक मानी जाती है। बैसाखी से पूर्व चारों महासू महाराज, सोमेश्वर व शिड़कुडिया देवता मंदिरों में ढोल–दमाऊंकी थाप पर लोकनृत्य और पारंपरिक गीतों के माध्यम से श्रद्धालु अपनी आस्था और खुशी का इजहार करते हैं, जिससे पूरा क्षेत्र लोक रंग में रंगा नजर आता है। मेले का सबसे आकर्षक और रोमांचक आयोजन ठोटे खेल है जो क्षेत्र की अनूठी पहचान है। खेल में प्रतिभागी धनुष–बाण के माध्यम से एक–दूसरे के घुटने के नीचे निशाना साधते हैं जिसे साहस और परंपरा का प्रतीक माना जाता है।

धराली प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों में सरकार विफल : हरीश रावत

उत्तरकाशी। धराली आपदा प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण कर लौटे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावितों के पुनर्वास और राहत कार्यों में सरकार पूरी तरह विफल रही है और अब तक ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं दिख रहा है। रावत ने कहा कि चारधाम यात्रा की तैयारियां भी बेहद धीमी है जिन कार्यों को यात्रा शुरू होने से कम से कम 15 दिन पहले पूरा हो जाना चाहिए था वे अभी भी अधूरे पड़े हैं। उनका कहना है कि लापरवाही का खामियाजा यात्रियों और स्थानीय लोगों को भुगतना पड़ सकता है। बृहस्पतिवार को लोनिवि गेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि हर्षिल की स्थिति को बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में केदारनाथ आपदा के बाद जिस तेजी और प्रतिबद्धता के साथ पुनर्निर्माण कार्य किए गए थे, उसी तर्ज पर धराली में भी कार्यों को धरातल पर उतारने की आवश्यकता है। सरकार प्रभावितों का लोन माफ करे और सरकारी जमीन पर जिनका नुकसान हुआ है उनके बारे में भी सरकार को सोचना चाहिए। भू–धंसाव से प्रभावित भटवाड़ी क्षेत्र को लेकर भी रावत ने चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भटवाड़ी सुरक्षित करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने होंगे। चारधाम यात्रा व्यवस्थाओं पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यात्रा फिलहाल भगवान भरोसे चल रही है। सड़कें पूरी तरह तैयार नहीं है।

शादी समारोह का खाना खाने के बाद 35 लोगों को फूड प्वाइजनिंग

नई टिहरी।। चंबा ब्लॉक के ढरसाल गांव के 35 लोग शादी का खाना खाने के बाद फूड प्वाइजनिंग से बीमार हो गए। इसमें कुछ को चंबा और कुछ जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

13 और 14 अप्रैल को बादशाहीथोल में एक विवाह समारोह के दौरान खाना खाने के बाद लोग बीमार हो गए। 20 लोग बुधवार और 15 लोग आज अस्पताल में भर्ती किए गए। सभी की स्थिति अब खतरे से बाहर बताई जा रही है । अस्पताल में भर्ती महिलाओं की संख्या अधिक है। महिलाओं ने बताया कि उन्होंने गोलगप्पे, चाऊमीन खाई थी। सीएमएस डॉक्टर अमित राय के अनुसार सभी लोगों की स्थिति में धीरे–धीरे सुधार आ रहा है।

प्रशासन की अनदेखी पर भड़के हर्षिल के ग्रामीण

उत्तरकाशी। आपदा के करीब नौ माह बाद हर्षिल गांव की सुरक्षा के लिए कार्य शुरू नहीं होने पर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि हर्षिल में झील के आगे नदी को गलत तरीके से चैनालाइज किया गया है। इससे बरसात में हर्षिल के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। साथ ही सिंचाई विभाग की ओर से सुरक्षात्मक कार्यों के लिए जारी निविदा को भी निरस्त कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ही सुरक्षात्मक कार्य शुरू नहीं होते हैं तो आगामी 19 अप्रैल को गंगोत्री हाईवे पर चक्का जाम किया जाएगा। बीते अगस्त माह में आई आपदा में तेलगाड़ में आए मलबे के कारण भागीरथी नदी में झील बन गई थी। साथ ही हर्षिल में नदी किनारे की भूमि और संपत्तियों पर कटाव होने के कारण नुकसान हुआ था। ग्राम प्रधान सुचिता रौतेला, अरविंद बुटोला, जयवीर नेगी, दिनेश रावत ने कहा कि प्रशासन की ओर से सिंचाई विभाग ने वहां पर मात्र नदी को चैनालाइज करने का कार्य किया है लेकिन उसमें योजनागत कार्य न होने के कारण न ही झील का जलस्तर कम हुआ है। साथ ही नदी के किनारे जमा मलबा बरसात में दोबारा नदी को रोकने का कार्य करेगा। इससे झील का जलस्तर बढ़ने के कारण वह हर्षिल में सेब के बगीचों सहित आवासीय भवनों, जीएमवीएन, थाने और सरकारी भवनों सहित बाजार में नदी के पानी घुसने का खतरा बना है। शासन की ओर से सुरक्षात्मक कार्यों के लिए स्वीकृति दी थी।

उसके बाद सिंचाई विभाग ने निविदाएं आमंत्रित की लेकिन उन्हें भी अब निरस्त कर दिया गया है।

कपाट खुलने से पूर्व बदरीनाथ में कार्यक्रम करने पर जताई आपत्ति

चमोली। बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले ही वहां पर कार्यक्रम कराने पर धाम से जुड़े तीर्थ पुरोहितों व पंडा समाज ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह धाम की परंपरा के विरुद्ध है। वहीं बीकेटीसी ने भी इसे अनुचित बताया।

बृहस्पतिवार को सेना की ओर से बदरीनाथ धाम में सूर्य देवभूमि चैलेंज प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। वहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। तीर्थ पुरोहितों ने इस पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि यह परंपराओं के विपरीत है। चारधाम तीर्थ पुरोहित महापंचायत के महासचिव डॉ. बृजेश सती का कहना है कि बदरीनाथ धाम में छह माह देव पूजा का विशेष महत्व है। इस दौरान वहां मानव गतिविधियां संचालित नहीं हो सकती हैं। ऐसे में कपाट खुलने से चंद दिन पहले वहां कार्यक्रम करवाना परंपराओं का उल्लंघन है। तीर्थ पुरोहित इसका विरोध करते हैं। बदरीश पंडा पंचायत के अध्यक्ष प्रवीन ध्यानी का कहना है कि बदरीनाथ धाम के कपाट अभी बंद हैं। यह समय देवपूजा का होता है ऐसे में वहां मानव गतिविधियां नहीं होनी चाहिए। वहीं बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी का कहना है कि धामों में परंपराओं के विरुद्ध कोई कार्य करना अनुचित है। पौराणिक काल से चली आ रही परंपराओं का उल्लंघन नहीं होना चाहिए।

सीडीएस अनिल चौहान ने किया हर्षिल सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्र का शिलान्यास

उत्तरकाशी। हर्षिल पहुंचे रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान ने वाइब्रेंट विलेज योजना के तहत सेना की ओर से प्रस्तावित हर्षिल सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्र का शिलान्यास किया। डीएम प्रशांत आर्य सहित सेना के अधिकारियों ने स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने वहां पर स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात की। कहा कि सीमांत गांव के लोग और सेना एक दूसरे के पूरक हैं। देश की सुरक्षा के साथ ही इन इलाकों के विकास के लिए दोनों की सहभागिता आवश्यक है। सीडीएस ने ग्रामीणों सहित पूर्व सैनिकों और एनसीसी कैडेट्स से भी मुलाकात कर उनसे स्थानीय परिदृश्य की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि हर्षिल सांस्कृतिक एवं विरासत केंद्र का उद्देश्य क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण करना है। साथ ही इसके माध्यम से देश–विदेश के पर्यटकों को गंगोत्री, हर्षिल और गढ़वाल क्षेत्र के गौरवशाली इतिहास की जानकारी भी मिलेगी। इसके बाद रक्षा प्रमुख ने बगोरी गांव में स्थानीय निवासियों से मुलाकात कर सीमावर्ती गांव की जीवंतता को सुदृढ़ करने में उनके योगदान की जानकारी ली। साथ ही गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखवा गांव में गंगा की विशेष पूजा अर्चना की। कहा कि पहाड़ की परंपराओं और क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को यहां के लोगों ने संजो कर रखा है।

अल्मोड़ा में जल्द शुरू होगा सड़कों का हॉट मिक्स कार्य

अल्मोड़ा। नगर की जर्जर सड़कों से परेशान लोगों को जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। लोक निर्माण विभाग द्वारा शहर की सड़कों पर हॉट मिक्स कार्य शीघ्र शुरू किए जाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इस संबंध में भाजपा के प्रतिनिधिमंडल ने विभागीय अधिकारियों से मुलाकात कर कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। भाजपा नेता कैलाश गुरुरानी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता हर्षित गुप्ता से मुलाकात की। इस दौरान अधिशासी अभियंता ने बताया कि हॉट मिक्स कार्य के लिए आवश्यक टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और निर्धारित समय के भीतर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। भाजपा नेताओं ने कहा कि करबला से लक्ष्मेश्वर तक हॉट मिक्स के टेंडर स्वीकृत हो चुके हैं, जबकि कर्बला से धारानौला तक पैच वर्क के लिए भी टेंडर जारी किए जा चुके हैं। इन कार्यों के शुरू होने से शहर की सड़कों की स्थिति में सुधार होगा। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि विपक्ष सड़कों के मुद्दे पर बिना पूरी जानकारी के बयानबाजी कर रहा है। उनका कहना था कि सड़कों के सुधार की प्रक्रिया पिछले दो माह से चल रही है और इससे संबंधित सभी दस्तावेज विभाग में उपलब्ध हैं।

चमोली पुलिस के फेसबुक पेज पर मिलेगी रूट डायवर्जन की सही जानकारी

चमोली। चारधाम यात्रा पर आ रहे है तो चमोली पुलिस का फेसबुक पेज जरूर फॉलो कर लें। इससे आपको यात्रा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलती रहेंगी। फेसबुक पेज पर यात्रा के दौरान बाधित मार्गों, मौसम की चेतावनी, रूट डायवर्ट आदि की जानकारी मिल सकेगी जो यात्रा के दौरान काफी लाभकारी साबित होगी।

जनपद में बदरीनाथ, हेमकुंड साहिब के दर्शन के लिए हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु जनपद में पहुंचते हैं। मगर कई बार रूट डायवर्ट, मौसम सहित अन्य परिस्थितियां होने पर रूट डायवर्ट करना पड़ता है। ऐसे में श्रद्धालुओं को कई बार मार्ग खुलने, यात्रा शुरू होने आदि की जानकारी नहीं मिल पाती है जिससे वह परेशानी झेलते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चमोली पुलिस अपने फेसबुक पेज पर यात्रा से जुड़े वीडियो, फोटो और ग्राफिक्स अपडेट कर रही है ताकि यात्रियों को समय से सही जानकारी मिल सके। एसपी सुरजीत सिंह पंवार का कहना है कि यात्रा के लिए चमोली पुलिस तैयार है। सभी जगहों पर पुलिस के जवानों और अधिकारियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्थाओं के इंतजाम भी चाकचौबंद हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए फेसबुक पेज पर यात्रा से जुड़ी सभी जानकारी साझा की जा रही हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

आईपीएल में आज होगा गुजरात टाइटंस और कोलकाता नाइट राइडर्स का मुकाबला

अहमदाबाद (एजेंसी)। आईपीएल में शुक्रवार को होने वाले मुकाबले में शुभमन गिल की कप्तानी में गुजरात टाइटन्स की टीम का मुकाबला आजिंक्य रहाणे की कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। इस मैच में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मैदान जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेगी। टाइटन्स की टीम भी अभी तक अपने घरेलू मैदान पर जीत हासिल नहीं कर पाई है। उसे अभी तक यहां खेले गए एकमात्र मैच में राजस्थान रॉयल्स से हार का सामना करना पड़ा था पर इसके बाद उसने विरोधी टीम के मैदानों पर दो जीत हासिल की है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। । टीम के पास अच्छे बल्लेबाज हैं और उसकी गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने अब तक इस सत्र में काफी अच्छी गेंदबाजी की है। बल्लेबाजी में शुभमन के अलावा टीम के पास जोस बटलर और राहुल तेवतिया जैसे बल्लेबाजों हैं। आंकड़ों की बात करें तो अब तक दोनो के बीच पांच मुकाबे हुए हैं जिसमें से गुजरात ने तीन जबकि केकेआर ने एक मैच जीता है। वहीं एक मैच बेनतीजा रहा।

वहीं दूसरी ओर अपने पांच में से चार मैच हारी केकेआर का प्रदर्शन इस बार बेहद खराब रहा है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी काफी कमजोर है। उसका एक मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। इसी कारण उसे एक अंक मिला है। ऐसे में कप्तान रहाणे का प्रयास किसी प्रकार टीम को जीत दिलाना रहेगा। केकेआर की टीम का प्रयास गुजरात के खिलाफ मैच जीतकर लय हासिल करना रहेगा। । केकेआर की टीम को इसके लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में सुधार करना होगा। हर्षित राणा और आकाश दीप के चोटिल होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर है जिसके देखते हुए किसी अच्छे गेंदबाज को शामिल करना होगा। इसके अलावा उसके फार्म से बाहर चल रहे स्पिनरों सुनील नारायण और वरुण चक्रवर्ती को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। उसे लगातार असफल हो रहे कैमरुन ग्रीन की जगह पर टिम सीफर्ट और रचिन रविंद्र जैसे किसी खिलाड़ी को शामिल करने पर विचार करना होगा। उसके कप्तान को भी ठीक फैसले लेने होंगे। पिछले मैचों में उसके कप्तान के टॉस जीतने के बाद कई गलत फैसलों से भी टीम को नुकसान हुआ है। टीम की

गेंदबाजी कितनी लचर है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि मुंबई इंडियंस के खिलाफ वह 220 रन के स्कोर का बचाव नहीं कर सकी जबकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए 65 रनों से हार गयी जबकि लक्ष्य 200 से भी कम था।

टीम के बल्लेबाजी क्रम में कमी नजर आती है। पिछले मैच में सुनील नारायण को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा गया जबकि रहाणे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे। यह दोनों ही बदलाव गलत साबित हुए थे। मनीष पांडे, राहुल त्रिपाठी और सार्थक रंजन जैसे बल्लेबाजों को अभी तक अवसर नहीं मिला है। ऐसे में केकेआर के लिए जीत दर्ज करन काफी कठिन है। उसे बल्लेबाजी, गेंदबाजी सहित सभी क्षेत्रों में सुधार करना होगा।

टीम इस प्रकार है

गुजरात टाइटंस = शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाग्र, ग्लेन फिलिप्स, राशिद खान, मानव सुथार, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, वॉशिंगटन सुंदर, गुरनूर बराड़, अरशद खान, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, कगिसो रबाडा, आर साई किशोर, इशांत शर्मा, अशोक शर्मा, जेसन होल्डर, टॉम बैंटन, ल्यूक वुड, साई सुदर्शन, एम शाहरुख खान, जयंत यादव, कुलवंत खेजरोलिया।

कोलकाता नाइट राइडर्स = अजिंक्य रहाणे (कप्तान), मनीष पांडे, रोवमैन पॉवेल, अंगकृष रघुवंशी, रमनदीप सिंह, रिंकू सिंह, सुनील नारायण, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, उमरान मलिक, वरुण चक्रवर्ती, कैमरन ग्रीन, मथीशा पथिराना, राहुल त्रिपाठी, टिम सीफर्ट, तेजस्वी दहिया, रचिन रवींद्र, आकाश दीप, ब्लेसिंग मुजरबानी, नवदीप सैनी, प्रशांत सोलंकी, फिन एलन, दक्ष कामरा, कार्तिक त्यागी, सार्थक रंजन, सौरभ दुबे।

बार्सिलोना ओपन से हटे अल्कराज, फ्रेंच ओपन में भी खेलना संदिग्ध

बार्सिलोना (एजेंसी)। स्पेन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज ने कलाई की चोट के कारण बार्सिलोना ओपन टेनिस से अपना नाम वापस ले लिया है। अल्कराज यहां दूसरे दौर में पहुंच गये थे ऐसे में उनके बाहर होने से प्रशंसकों को झटका लगा है। ऐसे में खिताब जीतने को अवसर उनके हाथ से निकल गया। इसके अलावा आगामी फ्रेंच ओपन टेनिस में उनका खेलने पर संशय हो गया है। अल्कराज ने क्वालिफायर ओटो विरटेनन के खिलाफ अपने शुरुआती मुकाबले में सीधे सेटों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसी मैच के दौरान रिटर्न करते समय उन्हें अपनी कलाई में दर्द लगा जिसके बढ़ने से उन्हें अपना नाम वापस लेना पड़ा है। टॉमस मैसेके के खिलाफ दूसरे दौर के मैच से पहले हुई जांच मे उनकी चोट गंभीर पाई गई, जिसके बाद उन्हें टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा।

इसी को लेकर अल्कराज ने कहा, मैच के दौरान रिटर्न करते समय लगा कि मेरी कलाई जवाब दे गई है। टेस्ट के बाद पता चला कि चोट हमारी उम्मीद से ज्यादा गंभीर है। मुझे अपने शरीर की सुननी होगी और इस समय रिकवरी को प्राथमिकता देनी होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह जल्द से जल्द घर लौटकर अपनी मेडिकल टीम, जिसमें डॉक्टर्स और फिजियो शामिल हैं, के साथ उपचार शुरू करेंगे, ताकि वह आने वाले बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट हो सकें।

इस चोट के कारण अल्कराज के हाथ से नंबर एक स्थान फिर से हासिल करने का मौका भी निकल गया। अगर वह यहां जीतते तो शीर्ष स्थान पर वापसी कर सकते थी। अब उनका लक्ष्य 18 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन के लिए पूरी तरह से फिट होना रहेगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में, ब्रिटेन के कैमरून नॉरी ने ईथन क्विन को 6-3, 4-6, 6-4 से हराकर तीसरे राउंड में अपनी जगह पक्की कर ली है।

टी20 प्रारूप में आप एक ही तरह से गेंदबाजी करके प्रासंगिक नहीं रह सकते : लुंगी एनगिडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को परेशान करने वाली लुंगी एनगिडी की नीचे की ओर गिरती हुई धीमी गेंद (डिपिंग स्लोअर बॉल) इंडियन प्रीमियर लीग में भी बल्लेबाजों के लिए उतनी ही घातक बनी हुई है। एनगिडी ने 2018 में चेन्नई सुपरकिंग्स में ड्वेन ब्रावो के कहने पर अपनी धीमी गेंदों पर काम करना शुरू किया था और खेल के इस सबसे छोटे प्रारूप में इस अहम कला में महारत हासिल करने में उन्हें थोड़ा समय लगा। दक्षिण अफ्रीका और दिल्ली कैपिटल्स के इस तेज गेंदबाज को हैरानी है कि अब सभी उनकी गेंदबाजी विविधताओं के बारे में बात कर रहे हैं जबकि ये वर्षों से उनके खेल का हिस्सा रही हैं। बृहस्पतिवार को चुनिंदा संवाददाताओं से बात करते हुए एनगिडी ने अपनी हाल की सबसे असरदार गेंद के बारे में बात की। एक धीमी गेंद जो बल्लेबाज के पास पहुंचते-पहुंचते नीचे की ओर गिरने लगती है। यह धीमी यॉर्कर, लेंथ गेंद या धीमी बाउंसर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के इस तेज गेंदबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान कहा था, 'यह एक ही गेंद के साथ तीन अलग-अलग लेंथ हैं और बल्लेबाज को यह अंदाजा लगाना होता है कि अगली गेंद कौन सी आने वाली है।' बृहस्पतिवार को इस तेज गेंदबाजी से उनकी विविधताओं और टी20 प्रारूप में बल्लेबाजों से आगे रहने में वह कैसे कामयाब रहे इस बारे में कई सवाल पूछे गए। एनगिडी ने उन सभी का जवाब बहुत ही आसान शब्दों में दिया।

भारत-पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मैच मुमकिन नहीं, आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय सीरीज होने की संभावना भविष्य में कभी भी मुमकिन नहीं होगी, इसकी वजह है पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) पर राजनीतिक असर। उन्होंने कहा कि अगर बोर्ड ने 'राजनीतिक दांव-पेच न खेले होते और इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाया होता', तो शायद 'कुछ बात बन सकती थी'।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन से बात करते हुए मोदी ने इस विचार को खारिज कर दिया कि कोई न्यूट्रल जगह भी दोनों देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को फिर से शुरू कर सकती है। उन्होंने कहा कि असली मुद्दा वह है जिसे उन्होंने क्रिकेट पर बढ़ते राजनीतिक असर के तौर पर बताया। मोदी ने दोहराया कि हालात जल्द सुधरने की उम्मीद नहीं है, जिससे निकट भविष्य में द्विपक्षीय सीरीज की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। 'स्टिक टू क्रिकेट' पॉडकास्ट पर उन्होंने कहा, 'मुझे डर है कि निकट भविष्य में यह मुमकिन नहीं हो पाएगा, इसकी मुख्य वजह है पाकिस्तान में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का राजनीतिकरण। और बदकिस्मती से, हालात ऐसे ही हैं।'

उन्होंने तर्क दिया कि क्रिकेट जगत में अब फैसले आजादी से नहीं लिए जा रहे हैं, जिससे दोनों टीमों के बीच मैच करवाने की कोशिशें और मुश्किल हो गई हैं। उन्होंने भारत-पाकिस्तान मैचों के दौरान बने तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, 'मैं ही वह इंसान था जो पाकिस्तानी खिलाड़ियों को आईपीएल में लेकर आया था, लेकिन 26/11 के मुंबई हमलों के बाद मुझे उन्हें हटाना पड़ा।'

उन्होंने कहा, 'दिक्कत यह है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आजाद होता और आजादी से काम करता, अगर उस पर राजनीति का असर न होता, तो शायद कुछ बात बन सकती थी। लेकिन आज पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर सत्ता में बैठे लोगों का इतना ज़्यादा राजनीतिक असर है कि वे ही सारे फैसले ले रहे हैं और इसे राजनीतिक मुद्दा बना रहे हैं। हमारे बीच उस स्तर पर यानी राजनीतिक स्तर पर तनाव है और वह तनाव खत्म होने वाला नहीं है। यह तो और भी बदतर होता जाएगा। इसलिए मुझे खिलाड़ियों की सुरक्षा की चिंता है।'

भारत और पाकिस्तान ने 2012-13 सीजन के बाद से नियमित द्विपक्षीय क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया था। जनवरी 2013 में पाकिस्तान के भारत दौरे के बाद बढ़ते राजनीतिक तनाव और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की वजह से द्विपक्षीय सीरीज बंद हो गई। तब से दोनों देशों ने अपने मुकाबले सिर्फ ICC वर्ल्ड कप और एशिया कप जैसे कई देशों वाले टूर्नामेंट तक ही सीमित रखे हैं।

भारत-पाकिस्तान संबंधों के अलावा मोदी ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा न लेने के बांग्लादेश के फैसले पर भी अपनी राय दी। बांग्लादेश ने भारत आने-जाने से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं की वजह से यह फैसला लिया था। उन्होंने इस कदम की आलोचना करते हुए कहा कि यह बेवजह था।

ऑस्ट्रेलिया में हो सकता है आईपीएल का अगला सत्र

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) पिछले 18 साल में लगातार आगे बढ़ने के साथ ही दुनिया की सबसे लोकप्रिय टी20 लीग बन गई है । इसकी आपार लोकप्रियता और वैश्विक अपील को देखते हुए, भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी कई बार इसके मुकाबलों को विदेशी धरती पर भी आयोजित किया है, अरब अमीरात की धरती हो या दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर जगह इसके मुकाबले सफल रहे हैं । अब अगले सत्र में आईपीएल के ऑस्ट्रेलिया में आयोजन की संभावनएं बन रही हैं । यह कदम लीग के वैश्विक होने की दिशा में एक और मजबूत कदम होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, ऑस्ट्रेलिया का एडिलेड ओवल स्टेडियम अगले साल मार्च में एक नियमित सत्र के आईपीएल मैच की मेजबानी करने की योजना बना रहा है । एडिलेड ओवल के चेयरमैन जेमी ब्रिग्स और दक्षिण ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट एसोसिएशन (एसएसीए) के प्रमुख विल रेयनर ने ये बात ही है । इस योजना पर कई हितधारकों के साथ प्रारंभिक चर्चाएँ हो चुकी हैं हालांकि बीसीसीआई से अभी तक औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है । यह देखना होगा कि बीसीसीआई इस अनूठे प्रस्ताव पर क्या प्रतिक्रिया देता है। वहीं आईपीएल के बदले में ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग (बीबीएल) भी चेन्नई में एक मैच आयोजित करने पर विचार कर सकती है। इससे देशों के बीच क्रिकेट संबंधों को मजबूत होने की संभावना है । एडिलेड को इस संभावित आयोजन के लिए कई कारणों से उपयुक्त माना जा रहा है । मार्च का महीना ऑस्ट्रेलिया में अनुकूल मौसम प्रदान करता है, ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट कैलेंडर में एक खाली समय होता है, और यह सुनिश्चित करता है कि प्रशंसकों की भागीदारी सबसे अधिक हो । अब देखना है कि बीसीसीआई इस मामले में क्या प्रतिक्रिया देता है ।

23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच से वापसी कर सकते हैं धोनी

इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतार सकती है सीएसके

मुम्बई । चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी अब पिंडली में आये खिंचाव से उबर गये हैं और उनकी शीघ्र टीम में वापसी की संभावनाएं हैं । धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हो रही है पर अब क्रिकेट प्रेमियों और प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है । एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच से वापसी कर सकते हैं । धोनी को इस मैच में इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतारा जा सकता है । धोनी अभ्यास सत्र दौरान पिंडली में खिंचाव के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए थे। हालांकि, अब रिपोर्टों के मुताबिक 44 वर्षीय धोनी अब पूरी तरह से फिट होने के करीब हैं । धोनी के नहीं खेलने पर सीएसके का अब तक का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है । टीम ने आईपीएल 2024 में पांच मुकाबले खेले हैं, जिनमें से तीन में उसे हार का सामना करना पड़ा और दो में जीत मिली । शुरुआती तीन हार के बाद, ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम ने पिछले दो घरेलू मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर अपनी लय हासिल कर ली है । हालांकि, मौजूदा अंक तालिका में सीएसके 10 टीमों में से आठवें स्थान पर है, ऐसे में टीम को धोनी की वापसी का बेसब्री से इंतजार है ताकि टीम और बेहतर प्रदर्शन कर सके । अधिक बोझ न डालते हुए टीम धोनी को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर उतार सकती है, जिससे उनकी बल्लेबाजी का पूरा लाभ उठाया जा सके । धोनी के होने भर से ही टीम में उत्साह रहता है । इसके अलावा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को भी वह जरुरी सलाह दे सकते हैं । धोनी के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ वापसी करना एक विशेष क्षण होगा, क्योंकि इस टीम के खिलाफ उनका रिकॉर्ड हमेशा शानदार रहा है । उन्होंने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और राइजिंग पुणे सुपर जायंट्स के लिए मुंबई इंडियंस के खिलाफ कुल 44 मैच की 38 बल्लेबाजी पारियों में उन्होंने 772 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 35.09 और स्ट्राइक रेट 130.62 रहा है ।

सीएसके जीत के बाद भी कप्तान रुतुराज के फार्म को लेकर चिंतित

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) शुरुआती मैचों में हार के बाद लगातार दो मैच जीतकर जीत की राह पर लौटी है। सीएसके की जीत के बाद भी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन से उसपर दबाव बना हुआ है। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट बेहद खराब रहा है। इस मैच में भी वे तेजी से रन बनाने की कोशिश में 7 रन (6 गेंद) बनाकर आउट हो गए। आयुष म्हात्रे के साथ बल्लेबाजी क्रम बदलने की मांग जोर पकड़ रही है। इसके अलावा, गायकवाड़ ने एक आसान कैच भी गिरा दिया, हालांकि शुक्र है कि इससे सीएसके को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ।

वहीं सीएसके से मिली हार के साथ ही कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम का इस सत्र में हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। इसी के साथ ही केकेआर अकेली ऐसी टीम बन गयी है जो अभी तक एक भी मैच नहीं जीती है।

सीएसके के खिलाफ मैच में भी वह दबाव का सामना नहीं कर पायी और बिखर गयी। सीएसके टीम में अकील हुसैन और नूर अहमद के सामने केकेआर के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम ने नूर की सफलता में अकील की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि अकील ने नूर को सही लेंथ पर गेंद डालने की सलाह दी, जिसके बाद नूर लगभग अजेय हो गए थे। फिन एलन के लिए एक और निराशाजनक मैच रहा। उन्होंने सीजन की शुरुआत कुछ अच्छी पारियों के साथ की थी, लेकिन एक विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज के तौर पर केकेआर उनसे कहीं बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। एलन पिछले तीन मैचों में प्रभाव डालने में विफल रहे हैं, और तीनों में वे दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाए। टीम की लगातार हार को देखते हुए केकेआर कब तक उन पर भरोसा कर पाएगी? उनके साथी टिम सीफर्ट बेंच पर इंतजार कर रहे हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया था।

क्रुणाल पांड्या ने आईपीएल में बनाया रिकार्ड, अक्षर और जडेजा के क्लब में शामिल

–100 विकेट और 1000 रन बनाने वाले तीसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबले में एक अहम उपलब्धि हासिल की है। क्रुणाल ने इस मैच में अब्दुल समद को आउट करते ही आईपीएल में अपने 100 विकेट पूरे कर लिए। आईपीएल में ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बने हैं, उनसे पहले ये खास उपलब्धि सिर्फ रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ही हासिल कर पाए थे। गेंदबाजी ही नहीं बल्लेबाजी में भी वह किसी से पीछे नहीं है। आईपीएल में उनके नाम 1000 रन भी हैं। सुपरजायंट्स के खिलाफ मैच में क्रुणाल ने 4 ओवर की गेंदबाजी में 38 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उन्होंने एलएसजी की पारी के 10वें ओवर की पांचवीं गेंद पर मिचेल मार्श को आउट कर अपना विकेट खाता खोला और फिर 12वें ओवर की दूसरी गेंद पर समद को पेवेलियन भेज दिया। . समद को आउट करते ही आईपीएल में उनके विकेट का शतक पूरा हो गया हालांकि, आरसीबी की पारी में क्रुणाल की बल्लेबाजी नहीं आई। बल्लेबाजी में क्रुणाल के नाम है 1700 से ज्यादा रन भी हैं। क्रुणाल एक बेहतरीन बैटिंग ऑलराउंडर है।. गेंदबाजी के साथ-साथ उन्होंने मध्यक्रम में अपनी बल्लेबाजी से भी कई बार टीम को जीत दिलायी है। आईपीएल में उन्होंने अबतक 119 पारियों में 1757 रन भी बनाए हैं। इसके कारण ही वह रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल के बाद आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। वहीं जडेजा ने आईपीएल में चार टीमों के लिए 259 मैचों में 173 विकेट और 3336 रन बनाए हैं, जबकि अक्षर पटेल ने 166 आईपीएल मैचों में 1919 रन और 131 विकेट लिए हैं। वहीं इनके अलावा तीन विदेशी खिलाड़ियों सुनील नरेन, आंद्रे रसेल और ड्वेन ब्रावो ने भी आईपीएल में 1000 रन और 100 विकेट लिए हैं।

70 लाख डॉलर के अनुबंध मामले में फंसे लियोनेल मेस्सी, इवेंट प्रमोटर ने दायर किया मुकदमा

मियामी । स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेस्सी पर मियामी स्थित एक 'इवेंट प्रमोटर' ने मुकदमा दायर किया है, जिसका कहना है कि इस दिग्गज खिलाड़ी ने पिछले साल एक प्रदर्शनी मैच में अनुपस्थित रहकर 70 लाख डॉलर के अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन किया है । अदालती रिकॉर्ड के अनुसार विड म्यूजिक ग्रुप ने पिछले महीने मियामी–डेड सर्किट कोर्ट में मेस्सी और अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (AFA) के खिलाफ धोखाधड़ी और अनुबंध के उल्लंघन का मुकदमा दायर किया था । मेस्सी और AFA ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए भेजे गए सवालों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया । मेस्सी को महानतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माना जाता है । वह मेजर लीग सॉकर क्लब इंटर मियामी और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम दोनों के लिए खेलते हैं और प्रशंसक उन्हें खेलते हुए देखने के लिए अक्सर बहुत अधिक कीमत चुकाते हैं । मुकदमे के अनुसार विड ने पिछले साल गर्मियों में अर्जेंटीना के वेनेजुएला और प्यूर्टोरिको के खिलाफ होने वाले मैत्री मैचों के लिए स्न के साथ एक समझौता किया था । विड का दावा है कि मेस्सी को प्रत्येक मैच में कम से कम 30 मिनट खेलना था, बशर्ते कि वह घायल न हों । मेस्सी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में नहीं खेले थे ।

बांग्लादेशी तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का किया ऐलान

-आईपीएल 2026 के बीच खेल प्रेमियों के लिए आई भावुक कर देने वाली खबर

हैदराबाद । इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के रोमांच के बीच क्रिकेट जगत से एक बड़ी खबर सामने आ रही है । बांग्लादेश के दिग्गज तेज गेंदबाज रुबेल हुसैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से तत्काल प्रभाव से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है । 36 वर्षीय इस गेंदबाज का करियर एक दशक से भी अधिक समय तक चला, जिसमें उन्होंने अपनी तेज रफ्तार गेंदों से दुनिया के कई बड़े बल्लेबाजों को परेशान किया। रुबेल ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला साल 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था, जिसके बाद से वे राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह देख रहे थे । रुबेल हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए अपने फैसले की जानकारी फैंस के साथ साझा की। उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय टीम की जर्सी पहनना उनके लिए हमेशा गर्व की बात रही है, लेकिन अब समय आ गया है कि वे युवाओं के लिए रास्ता छोड़ें और अंतरराष्ट्रीय मंच को अलविदा कहें । हालांकि, रुबेल ने यह भी स्पष्ट किया कि वे क्रिकेट के मैदान को पूरी तरह नहीं छोड़ रहे हैं । वे घरेलू क्रिकेट और बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) जैसे टूर्नामेंटों में खेलना जारी रखेंगे और अपनी फिटनेस पर ध्यान देंगे। रुबेल का अंतरराष्ट्रीय करियर आंकड़ों के लिहाज से काफी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने बांग्लादेश के लिए 27 टेस्ट मैचों में 36 विकेट, 104 वनडे मैचों में 129 विकेट और 28 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 28 विकेट अपने नाम किए । वे उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल रहे हैं जिन्होंने विश्व कप जैसे बड़े आयोजनों में बांग्लादेश की जीत में अहम भूमिका निभाई। रुबेल ने अपने संदेश में परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी वे नई भूमिकाओं में क्रिकेट से जुड़े रहेंगे और खेल की सेवा करते रहेंगे ।

गेंदबाज पंत को आउट नहीं कर रहे, अधिकतर वह खुद आउट हो रहा है:नवजोत सिंह सिद्धू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने बृहस्पतिवार को कहा कि ऋषभ पंत अपनी विकेट खुद ही गंवा रहे हैं जबकि वह इसके लिए गेंदबाजों को मेहनत नहीं करवा रहे और और इसी वजह से मौजूदा आईपीएल सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

मौजूदा सत्र में पंत का प्रदर्शन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है जिसमें कई बार उन्होंने बहुत कम स्कोर बनाए हैं। उन्होंने एकमात्र अच्छी पारी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ नाबाद 68 रन की खेली। सुपर जाइंट्स की टीम इस समय अंक तालिका में सातवें स्थान पर है जिसकी मुख्य वजह उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाना है।

पंत और सुपरजाइंट्स के बारे में बात करते हुए सिद्धू ने कहा, 'उन्हें अपनी कमियों पर काफी गहराई से सोचने की जरूरत है। उनकी समस्याएं बनी हुई हैं, विशेषकर इसलिए क्योंकि उनका शीर्ष क्रम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। वे अपने शुरुआती तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहे हैं लेकिन उन्हें इसका कोई फायदा नहीं मिला है। जब आप (एडेन) मारक्रम, (निकोलस) पूरन, (मिचेल) मार्श और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को देखते हैं तो उनमें जबरदस्त क्षमता नजर आती है लेकिन उनके बीच साझेदारियों की कमी है।'

सिद्धू ने कहा, 'शीर्ष क्रम में 50 रन की साझेदारी भी बहुत कम देखने को मिली है। मुझे नहीं लगता कि गेंदबाज ऋषभ को आउट कर रहे हैं बल्कि अधिकतर वह खुद ही आउट हो रहे हैं। उनमें प्रतिभा और क्षमता दोनों हैं और अगर वह खुद को थोड़ा समय दें तो वह अपने प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं। फिलहाल उनकी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही संघर्ष करती नजर आ रही हैं।'

बुधवार को बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 5 विकेट की हार के दौरान पंत सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए थे। पंत लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और पांच मैच में सिर्फ 104 रन बना पाए हैं। उनका औसत 26.00 और स्ट्राइक रेट 122.35 का है। सिद्धू रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार विराट कोहली की रनों की भूख से काफी प्रभावित हुए जबकि वह लगभग दो दशकों से शीर्ष स्तर पर क्रिकेट खेल रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'विराट कोहली अगर अपनी 20 प्रतिशत क्षमता से भी खेले तो भी वह

अधिकतर खिलाड़ियों के शत प्रतिशत प्रदर्शन से बेहतर होते हैं। उनका प्रभाव और दबदबा ही कुछ ऐसा है। शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट नहीं होने के बावजूद उन्होंने जबरदस्त अर्धशतकीय पारी खेली।' सिद्धू ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने मोहम्मद शमी पर दबदबा बनाया वह देखने लायक था। वह अपने पैरों का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए कवर के ऊपर से शॉट लगा रहे थे और बहुत ही सहजता से पुल और कट शॉट खेल रहे थे।'